डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-17 | प्रयागराज, रविवार 24 अप्रैल, 2022 से शनिवार 30 अप्रैल, 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमाः जब आत्महत्या करना चाहते थे मनोज बाजपेयी...8)

संक्षिप्त समाचार

टीना डाबी और प्रदीप की ने बौद्ध धर्म पद्धति के अनुसार शादी, सामने आई पहली तस्वीर

नई दिल्ली। आइएएस टीना डाबी और ध्ंए प्रदीप गवांडे शादी के बंधन में बंध गए हैं। जयपुर में दोनों का विवाह एक पांच सितारा होटल में बौद्ध धर्म पद्धति के अनुसार संपन्न हुआ। टीना डाबी और प्रदीप गवांडे की शादी की कुछ तस्वीरें भी सामने आ रही हैं। तस्वीर में टीना और प्रदीप सफेद कपड़े पहने एक-दूसरे के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। हालांकि, टीना डाबी और प्रदीप गवांडे की ओर से सोशल मीडिया या किसी और जरिए से शादी की जानकारी नहीं दी गई है। टीना डाबी काफी चर्चा में रही हैं। पिछले दिनों उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की जानकारी दी थी। बता दें कि टीना डाबी की यह दूसरी शादी है। साल 2018 में उन्होंने 2015 के सेकेंड टापर अतहर आमिर खान से शादी की थी, लेकिन ये रिश्ता लंबे समय तक नहीं चल पाया और दोनों अलग हो गए। हालांकि, ये रिश्ता टूटने की क्या वजह रही, इस पर खुलकर दोनों में से किसी ने कुछ नहीं कहा। टीना डाबी और प्रदीप गवांडे की शादी की जो तस्वीर सामने आई है, उसमें नजर आ रहा है कि दोनों ने बौद्ध धर्म पद्धति के अनुसार विवाह किया है। तस्वीर में दोनों सफेद कपड़े पहने और गले में फूलों की माला के साथ नजर आ रहे हैं। सामने गौतम बुद्ध की प्रतिमा और भीमराव अंबेडकर की फोटो नजर आ रही है। टेबल पर एक मोमबत्ती भी जलती हुई नजर आ रही है। भंते(बौद्ध भिक्षु) टीना डाबी और प्रदीप गवांडे पर पुष्प वर्षा करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि बौद्ध धर्म पद्धति में तिलकोत्सव, ओली, तेल भराई, मंडप व कन्यादान आदि रस्में नहीं होती हैं। हालांकि, ये शादी बौद्ध धर्म पद्धति के अनुसार हुई, इसकी भी जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसा कहा जा रहा था कि टीना और प्रदीप की शादी मराठी-राजस्थानी रीति-रिवाजों से होगी। प्रदीप गावंडे का परिवार मराठी है।

जम्मू कश्मीर के पल्ली गांव से कल देशभर की पंचायतों को संबोधित करेंगे पीएम मोदी, सुरक्षा व्यवस्था हुई चाक चौबंद

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के पल्ली गांव का दौरा करने वाले हैं। पीएम वहीं से देश भर की पंचायतों के प्रधानों से वर्चुअल संवाद करेंगे। पीएम पल्ली पंचायत घर भी जाएंगे और वहां के सरपंच एवं पंचों से बातचीत भी करेंगे। पंचायतों के प्रधानों से वर्चुअल संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अच्छा प्रदर्शन करने वाले ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत करेंगे। वहीं पीएम के दौरे के चलते प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बता दें कि 340 घरों वाला पल्ली पिछड़े गांवों में गिना जाता है लेकिन कल 500 केवी क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र के चालू होते ही यह देश का पहला कार्बन न्यूट्रल पंचायत बन जाएगा जहां रोशनी सौर ऊर्जा से मिलेगी। इसके साथ ही यह एक माडल पंचायत भी बन जाएगा जो जम्मू-कश्मीर के साथ अन्य पंचायतों को कार्बन मुक्त बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इस संयंत्र को रिकार्ड 20 दिन में तैयार किया गया है। वहीं इस मौके पर किसानों, सरपंचों और ग्राम प्रधानों के लिए कृषि की नवीनतम तकनीक और तरीकों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है ताकि नवाचारों को सीख कर वे अपनी आय और जीवन स्तर में वृद्धि कर सकें।

महाराष्ट्र में गरमाया हनुमान चालीसा पाठ का मुद्दाः गृहमंत्री दिलीप पाटिल दोपहर 1 बजे करेंगे प्रेस कान्फ्रेंस बढ़ाई गई मातोश्री की सुरक्षा

मुंबई। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का फैसला करने वाली अमरावती की सांसद नवनीत राणा के मुंबई स्थित आवास को शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने शनिवार सुबह से ही घेर लिया। वे

वहां प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने सांसद और उनके पति को 'बंटी और बबली' का उपनाम दिया है। दरअसल पति रवि राणा सांसद के साथ सांसद ने आज मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का ऐलान किया, जिसके बाद से ही महाराष्ट्र में बवाल शुरू हो गया है। महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वालसे पाटिल दोपहर एक बजे मीडिया को संबोधित करेंगे। सांसद के ऐलान के मद्देनजर आज मुख्यमंत्री के निजी आवास मातोश्री की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुंबई की पूर्व मेयर और शिवसेना नेता किशोरी पेडनेकर ने आज कहा, 'हम इंतजार कर रहे हैं, हम हनुमान चालीसा सामने रखेंगे। हम उन्हें सबक सिखाने का इंतजार कर रहे हैं।'महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने कहा, 'सांसद नवनीत राणा व उनके पति राज्य सरकार की छवि को धूमिल और राज्य के माहौल को खराब करना चाहते हैं। मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने की क्या जरूरत है, ऐसा वे अपने घर में भी कर सकते हैं। विधायक रवि राणा ने कहा, 'ये बाला साहेब के सदस्य नहीं हैं, यदि होते तो हमारे साथ हनुमान चालीसा का पाठ करने को तैयार होते। मुख्यमंत्री अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। शिवसेना हमारे घर में घुसकर हमला करने की कोशिश कर रही है। यदि हम सुरक्षित नहीं तो आम जनता कैसे सुरक्षित रहेगी।'सांसद नवनीत राणा ने कहा, 'महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने शिवसेना कार्यकर्ताओं को हमें परेशान करने का निर्देश दिया है। वे बैरिकेड तोड़ रहे हैं। मैं अपनी बात दोहरा रही हूं कि बाहर जाऊंगी और मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करूंगी। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की नवनिर्माण सेना (श्ए) प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य सरकार से मस्जिदों के लाउडस्पीकरों को हटाने की मांग की थी और चेताया था कि यदि उनकी इस मांग को पूरा नहीं किया जाएगा तब उनके पार्टी कार्यकर्ता हनुमान चालीसा के लिए लाउडस्पीकर लगा देंगे। प्रमुख ने कहा, '3 मई तक मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर बंद हो जाना चाहिए। अन्यथा हम लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। यह सामाजिक मुद्दा है न कि धार्मिक।'

मातृ मृत्यु दर में विकसित और गैर विकसित देशों के बीच क्यों है लंबी खाई, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहे भारत में मातृ मृत्यु दर अब भी बहुत अधिक चिंता का विषय बना हुआ है। उधर, कई विकसित मुल्कों ने अपने यहां मातृ मृत्यु दर के लक्ष्य को हासिल करने में कामयाबी हासिल की है। हालांकि, भारत ने वर्ष 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार लाने और विशेषकर मातृ मृत्यु को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए थे। तब से अब तक भारत सरकार इस दिशा में कई बड़ी पहल कर चुका है। इसके परिणाम भी अब आना शुरू हो चुके हैं। अब देश के कुछ राज्यों में मातृ मृत्यु दर विकसित

दुनिया के मुल्कों के समान हो गया है। हालांकि, अभी भी कुछ राज्यों में मातृ मृत्यु दर चिंता का विषय बना हुआ है। आखिर मातृ मृत्यु दर के मामले में विकसित मुल्कों एवं गैर विकसित मुल्कों के बीच यह लंबी खाई क्यों है। इस पर क्या है विशेषज्ञों की राय। दुनिया के कई विकसित मुल्कों ने अपने यहां मातृ मृत्यु दर के लक्ष्य को हासिल करने में बड़ी सफलता पाई है। कई विकसित मुल्कों को सिंगल डिजिट तक समेटने में सफलता हालिस कर ली है। इटली, नार्वे, पालैंड और बेलारूस में प्रति हजार गर्भवती महिलाओं में प्रसव के दौरान सिर्फ दो की मौत होती है। वहीं, जर्मनी और ब्रिटेन में यह आंकड़ा सात, कनाडा में 10 और अमेरिका में 19 है। भारत के ज्यादातर पड़ोसी देशों में मातृ मृत्यु दर काफी ऊंचा है। नेपाल में मातृ मृत्यु दर 186, बांग्लादेश में 173 और पाकिस्तान में 140 जबकि चीन और श्रीलंका क्रमशः 18.3 और 36 के साथ हमसे बहुत बेहतर हालात में हैं। 1- डा दीपा (यशोदा सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में प्रसूति विज्ञानी एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ)का कहना है कि भारत में कई सुरक्षा कार्यक्रमों को लागू करने के बावजूद भारत संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य से अभी भी बहुत दूर है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर मातृ मृत्यु दर 1990 की तुलना कहीं ज्यादा सुधार हुआ है। हालांकि, यह कहा जाना चाहिए कि भारत की स्थिति में भी तेजी से सुधार आया है। अगर आप आंकड़ों पर ध्यान दें तो भारत और नाइजीरिया में मातृ मृत्यु की संख्या वर्ष 2015 में दुनिया में तीसरी सबसे अधिक थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दिशा में भारत ने प्रगति की है। 2- उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा कारण महिलाओं में शिक्षा के प्रसार का है। अगर महिलाएं शिक्षित होंगी, तो मातृ मृत्यु की संख्या में काफी कमी आ सकती है। हालांकि उन्होंने कहा कि भारत में महिला साक्षरता दर बढ़ी है। इसके अलावा 18 वर्ष से पहले शादी करने वालों के अनुपात में काफी गिरावट आई है। देश भर में 27 फीसद महिलाओं की अभी भी निर्धारित उम्र से पहले शादी कर दी जाती हैं। महिलाओं को 18 वर्ष से अधिक उम्र में ही विवाह करने के लिए को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। डा दीपा के अनुसार, गर्भधारण का सबसे अनुकूल समय 20 से 30 वर्ष की उम्र के बीच होता है। गरीब गांव की पृष्ठभूमि से आने वाले युवतियों में मातृ मृत्यु दर अधिक है। 3- प्रसव से पहले और बाद में कुशल चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा उचित चिकित्सा देखभाल से मातृ और शिशु मृत्यु दर में काफी कमी आ सकती है। गर्भावस्था में विशेषज्ञ द्वारा चिकित्सा पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है। केवल प्रशिक्षित कर्मियों को ही प्रसव कराना चाहिए। डाक्टर की सलाह के अनुसार दो गर्भधारण के बीच अंतराल को बनाए रखना चाहिए, साथ ही गर्भावस्था के दौरान दवाओं का उपयोग भी करना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे घर पर प्रसव के खतरों के बारे में लोगों को खबरदार करें। 4- उन्होंने कहा कि विकसित मुल्कों में चिकित्सीय संसाधनों के अलावा महिलाओं में शिक्षा का प्रसार पिछड़े देशों की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। शिक्षा का सीधा संबंध जागरूकता से है। पिछड़े देशों या विकासशील देशों में महिलाओं की शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता है। इसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष असर उनके संपूर्ण विकास पर पड़ता है। इसका प्रभाव मातृ मृत्यु दर पर भी पड़ता है। यही कारण है कि मातृ मृत्यु दर के मामले में विकसित देशों और गैर विकसित देशों के बीच एक लंबी खाई है।

कहां मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए एक दूसरे पर फेंकते हैं आग

बेंगलुरू । कर्नाटक में अगिन खेली के लिए हर वर्ष सैकड़ों की संख्या में लोग दक्षिण कन्नड़ जिले के श्री दुर्गा परमेश्वरी मंदिर में जुटते हैं। मैंगलोर से करीब 26 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर कतील मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। गुरुवार को यहां अगिनखेली को मनाने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु जमा हुए थे। माना जाता है कि इस खेल से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों पर अपनी कृपा बनाए रखती हैं। सदियों

से यहां पर इस खेल की परंपरा रही है। इस खेल में श्रद्धालु एक दूसरे पर बिना जान की परवाह किए आग फैंकते हैं। परपंरागत तरीके से खेले जाने वाले इस खेल में यहां के दो गांव आतुर और कलत्तुर के लोग हिस्सा लेते हैं। दरअसल, अगिन खेली की शुरुआत से पहले देवी मां की शोभा यात्रा निकाली जाती है। उसके बाद श्रद्धालु तालाब में डुबकी लगाते हैं। फिर दोनों गांव के लोगों के बीच अलग-अलग दल यानी टीम बना ली जाती है। दल बनाने के बाद हाथों में नारियल की छाल से बनी मशाल लेकर लोग एक दूसरे के सामने खड़े हो जाते हैं। फिर एक दूसरे पर जलती हुई मशालें फेंकी जाती हैं। मशालों को फेंकने का यह सिलसिला करीब पांच मिनट तक ही चलता है। इस खेल के भी अपने नियम हैं। नियमानुसार इस खेल में भाग लेने वाला कोई भी व्यक्ति केवल केवल पांच बार ही मशाल दूसरे पर फेंक सकता है।इस परंपरा को लेकर लोगों का कहना है कि यह खेल व्यक्ति के दुखों को दूर करने में मदद करता है। माना जाता है कि इस खेल में हिस्सा लेने के बाद लोगों की आर्थिक और शारीरिक संबंधित हर तकलीफें भी दूर हो जाती है। आपको बता दें कि कतील मंदिर का नाम दों शब्दों से मिलकर बना है। कती का अर्थ केंद्र और इला का मतलब स्थान होता है। कतील का अर्थ नंदिनी नदी के बीच का स्थान से है।

जयराम ठाकुर पर अरविंद केजरीवाल का पलटवार कहा-हिमाचल को भी मिलेगी 'ईमानदार सरकार'

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को हिमाचल के सीएम जयराम ठाकुर पर पलटवार किया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली माडल का मतलब एक ईमानदार सरकार है और हिमाचल प्रदेश को भी एक 'ईमानदार सरकार'

जल्द मिलने वाली है। बता दें कि केजरीवाल का यह बयान जयराम ठाकुर की उस टिप्पणी के जवाब में आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि दिल्ली का माडल हिमाचल में स्वीकार्य नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने जयराम के बयान को आड़े हाथों लेते हुए कहा, दिल्ली माडल का मतलब ईमानदार सरकार है। जयराम जी कहते हैं कि हिमाचल प्रदेश में एक ईमानदार सरकार नहीं हो सकती क्योंकि हिमाचल की सामाजिक और राजनीतिक स्थितियां अलग हैं सवाल परिस्थितियों का नहीं, बल्कि इरादे का है। पंजाब और दिल्ली की तरह अब आप हिमाचल प्रदेश में भी ईमानदार सरकार देगी। इससे पहले, सीएम ठाकुर ने कहा था कि अरविंद केजरीवाल केवह अपनी पार्टी को जीताने का प्रयास कर रहे हैं। ये दौरे चुनाव तक जारी रहेंगे, लेकिन दिल्ली के मॉडल के साथ हिमाचल प्रदेश की तुलना स्वीकार्य नहीं है, यहां सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं। ठाकुर ने आगे कहा, हिमाचल की जनता ने कभी किसी तीसरे पक्ष को स्थान या सम्मान नहीं दिया है। इसलिए भाजपा निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश में सत्ता में आएगी। बता दें कि अरविंद केजरीवाल शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में एक रैली को संबोधित करेंगे। राज्य में विधानसभा चुनाव करीब आते देख सभी पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। इसी कड़ी में कल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कांगड़ा का दौरा किया था।

मित्र का चुनाव कर सकते हैं लेकिन पड़ोसी का नहीं अमूरिका

वाशिंगटन। अमेरिका में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को पड़ोसी मित्र देशों के भौगोलिक स्थिति पर जोर दिया और कहा कि भारत मित्रता करना चाहता है लेकिन यदि सामने वाला भी ऐसी

ही चाहत रखता हो। वित्त मंत्री ने कहा, 'मित्र को कमजोर नहीं होना चाहिए। ' उन्होंने भौगोलिक स्थिति का हवाला देते हुए अमेरिका समेत अन्य पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध को लेकर चर्चा का वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि आप अपने लिए दोस्त का चुनाव कर सकते हैं। वित्त मंत्री ने यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग पर भी बात की। पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, 'आप अपना पड़ोसी नहीं चुन सकते लेकिन दोस्त का चुनाव जरूर कर सकते हैं। पड़ोसी वही है जो आपके करीब है। वाशिंगटन में आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मौजूद थीं। वित्त मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया ईंधन की बढ़ी कीमतों व खाने के सामानों की किल्लत से जूझ रहा है ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में भारत अवसर निकाल रहा है। भारत निर्यात के लिए बाजार की तलाश में है और भुखमरी को खत्म करने के लिए अर्थपूर्ण सहायता देने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि 24 फरवरी से यूक्रेन में शुरू जंग भारत के लिए भी चुनौती बन गई है। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन से भारत के लिए होने वाला सनफ्लावर आयल सप्लाई इन दिनों बाधित है, हम विकल्प खोज रहे हैं।'

कांग्रेस में प्रशांत किशोर की भूमिका पर सोनिया गांधी लेंगी अंतिम फैसला

नई दिल्ली। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की कांग्रेस में क्या भूमिका होगी इसका अंतिम फैसला अब पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी करेंगी। प्रशांत द्वारा सुझाए गए

पुनरुद्धार योजना पर काम करने के लिए सोनिया गांधी द्वारा गठित कांग्रेस पैनल ने शुक्रवार को अपने निष्कर्षों की एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। पैनल के दो सदस्य, केसी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें यह रिपोर्ट सौंपी। हालांकि जानकारों की मानें तो पार्टी के नेताओं की पीके की एंट्री पर एक राय नहीं है। सोनिया को दी गई रिपोर्ट में प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, पी चिदंबरम, अंबिका सोनी, जयराम रमेश और मुकुल वासनिक वाले पैनल ने किशोर के सुझावों पर अपनी विस्तृत राय दी है। सूत्रों के मुताबिक ज्यादातर सुझाव व्यावहारिक और उपयोगी पाए गए हैं। वहीं जहां तक प्रशांत किशोर की भूमिका का सवाल है, सोनिया गांधी ही इस पर अंतिम फैसला करेंगे।

जिलाधिकारी ने कोहणार घाट गो-आश्रय केन्द्र में ''गो-धाम उत्सव'' मनाया

जिलाधिकारी की प्रेरणा से 12 गौशालाओं को 10 कुंतल भूसा-चोकर दान स्वरूप प्राप्त हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत कोहणार घाट तहसील मेजा में गोवंश आश्रय स्थल पर गो-धाम उत्सव मनाया तथा स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गो-वंशों को चिन्हित कर अलग-अलग रखने के लिए कहा है। उन्होंने बच्चों के लिए अलग शेड बनाकर उनकी देखभाल करने के निर्देश दिये है। अस्वस्थ गोवंश कों चिन्हित कर अलग रखने तथा उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिये है, वहां पर 504 गो-वंश रखे गये है, जिसके देखभाल के लिए 10 केयर-टेकर लगाये गये है, वहां पर 4 शेड़ गो-वंशों के लिए

बनकर तैयार हो गया है, 1 शेड़ निर्माणाधीन है तथा भूसा एवं चोकर के लिए भण्डारण कक्ष बनाये गये है एवं वर्मी कम्पोस्ट भी तैयार किये जाने के निर्देश दिये है तथा गो-वंशों के लिए खुले स्थान भी रखा जाये। जिलाधिकारी ने आम-जनमानस से भी अपील किया कि जो भी इच्छुक व्यक्ति है, वे इसमें अपना सहयोग दे सकते है, वहां पर जिलाधिकारी ने गो-वंशों की पूजा की तथा गुड़ भी खिलाया। इसी क्रम में पूरे जनपद में 12 स्थानों पर ''गौ धाम उत्सव मनाया गया। जिलाधिकारी की प्रेरणा से 12 गोशाला पर दान स्वरूप 10 कुंतल प्रत्येक गोसाला को भूसा-चोकर मिला है। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा भूसे का भण्डार करने तथा आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का निर्माण करना, गोवंशों को इयर टैगिंग कराना तथा साफ-सफाई की व्यवस्था, पशुओं के लिए पीने योग्य पानी तथा नहलाने आदि की समुचित व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिये है। तत्क्रम में जिलाधिकारी ने पंचायत भवन में ग्राम पंचायत कार्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर पंचायत भवन संचालित पाया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मेजा श्री विनोद कुमार पाण्डेय, डीडीओ श्री ए0वे0 मौर्य, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी श्री आर0पी0 राय सहित सम्बंधित अधिकारीगणों के अलावा जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में अपर निदेशक पशुपालन डॉ0 अशोक मिश्र ने कुलहड़िया गोशाला, कौंधियारा ब्लाक में गौ-धाम उत्सव मनाया।

डबल इंजन की सरकार से देश व प्रदेश की जनता को मिली बेहतरीन स्वास्थ्य योजना

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत डबल इंजन की सरकार द्वारा जनहित में तमाम लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है। उसी के क्रम में प्रदेश की योगी सरकार ने ब्लॉक

स्वास्थ्य मेला का आयोजन समस्त ब्लॉकों में आयोजित करने का निर्देश दे रखा है। जिससे आमजन को एक ही छत के नीचे समस्त स्वास्थ्य सेवाएं तथा लाभकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उक्त बातें स्वास्थ्य मेले के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख फूलपुर वीपेंद्र सिंह पटेल ने कही। फूलपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व चेयरमैन अमरनाथ यादव ने कहा वर्ष 2014 से मोदी जी के नेतृत्व में चल रहा स्वास्थ्य मेला आपकी पहली प्राथमिकता है। समाज के निचले पायदान के लोगों को ऊपर उठाने वाली योजनाओं को उन्होंने लागू किया है। आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड द्वारा गरीबों को 5 लाख तक की निशुल्क इलाज सुविधा प्रदान की। एडी सीएमओ डॉक्टर तीर्थराज ने कोविड-19 के बारे में विस्तार से बताया 2025 तक भारत को टीवी मुक्त बात करने की कही। इस अवसर पर बीडीओ प्रवीणानंद ने भी सरकारी योजनाओं को विस्तार से बताया। मेले में स्वास्थ्य विभाग की संध्या राज द्वारा तथा नगर पंचायत दिव्यांग रजिस्ट्रेशन युवा कल्याण एवं पीआरडी समाज कल्याण विभाग से प्रकाश पटेल द्वारा एवं आयुष होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक के काउंटर, महिला समस्याओं के काउंटर लगे थे। प्रचार-प्रसार के अभाव में ग्रामीणों की संख्या बहुत कम रही। 1 बजे ही मेला खत्म हो गया। यहां तक कि मेले में आए लोगों का भोजन बनता ही रह गया। मौके पर जिला मंत्री सुरेश चंद्र मौर्या, अधीक्षक सुनील पांडेय, डॉक्टर देवेंद्र मणि, एडीओ पंचायत गुलाब चंद पांडेय, अमर सिंह प्रधान, डॉ अमित शुक्ला, फार्मासिस्ट आर यू मौर्य, अच्छे लाल पटेल, धर्मेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार की नि:शुल्क राशन वितरण योजना गरीबों के लिए वरदान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने व कैबिनेट गठन के तत्काल बाद कैबिनेट की बैठक कर 3 माह के लिए प्रदेश के 15 करोड़ गरीबों को निःशुल्क राशन वितरण की सीमा बढ़ाते हुए 30 जून, 2022 तक कर दिया है। मुख्यमंत्री जी का यह निर्णय बेहद मानवीय है, क्योंकि कोरोना के कारण अभी भी गरीबों की स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। सरकार की यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हुई है। प्रदेश के 15 करोड़ पात्र लोगों को डबल राशन का उपहार दिया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा सभी अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थ कार्ड धारकों को प्रति यूनिट प्रतिमाह 05 किलोग्राम गेहूं तथा उ0प्र0 सरकार द्वारा सभी पात्र गृहस्थ कार्ड धारकों को मुफ्त 05 किलोग्राम गेहूं/चावल प्रति यूनिट प्रतिमाह तथा अन्त्योदय कार्ड धारकों को मुफ्त 35 किलो गेहूं/चावल के साथ 01 किलोग्राम चीनी भी प्रतिमाह दी जा रही है, साथ ही सभी कार्ड धारकों को मुफ्त 01 किलोग्राम दाल, 01 ली0 खाद्य तेल एवं 01 किलोग्राम नमक का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के एन0एफ0एस0ए0 के नियमित निःशुल्क खाद्यान्न के अतिरिक्त भारत सरकार के निर्देशानुपालन में समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत प्रति व्यक्ति 05 किग्रा0 खाद्यान्न (03 किग्रा0 गेहू व 02 किग्रा0 चावल) का भी प्रति माह निःशुल्क वितरण माह मार्च, 2022 तक कराया गया था। मई, 2021 से फरवरी, 2022 तक 47.91 लाख मी0टन गेहूं तथा 22.56 लाख मी0टन चावल, इस प्रकार कुल 70.47 लाख मी0टन खाद्यान्न का वितरण किया गया। मार्च 2022 में खाद्यान्न वितरित हुआ है। प्रदेश सरकार अप्रैल, 2022 में तीन चरणों में निःशुल्क राशन वितरण करा रही है। पहले चरण में 02 अप्रैल से 10 अप्रैल तक, दूसरे चरण में 12 से 20 अप्रैल तक एवं तीसरे चरण में 22 अप्रैल से राशन वितरण किया जा रहा है।आत्मनिर्भर भारत योजना के अन्तर्गत निःशुल्क खाद्यान्न वितरण योजना के अन्तर्गत प्रवासी/अवरूद्ध मजदूरों को अस्थायी राशन कार्ड संख्या जेनरेट करते हुए, माह मई, 2020 से अगस्त, 2020 तक प्रति यूनिट 05 किग्रा0 की दर से 11888.657 मी0टन निःशुल्क खाद्यान्न व प्रति कार्ड 01 किग्रा0 की दर से 1060.497 मी0टन निःशुल्क चना का वितरण कराया गया है। दिव्यांगजन को राशनकार्ड उपलब्ध कराये जाने के लिए दिव्यांगजन को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत आच्छादित किये जाने हेतु समयृ पर विशेष अभियान चलाया जाता है, जिसके अन्तर्गत 18,50,363 दिव्यांगजन को एन0एफ0एस0ए0 के अन्तर्गत आच्छादित किया गया है। जब कोरोना वायरस के फैलने से पूरा देश लॉकडाउन हो गया। विश्वव्यापी यह महामारी ऐसे समय फैली की आम व्यक्ति इसके लिए तैयार नहीं था। लोगों का जीवन सामान्य गति से चल रहा था। हमारे देश में बड़ी संख्या में गरीब, कमजोर, मजदूर लोग व विभिनन स्वउद्यम छोटे-छोटे दुकान, व्यवसाय, रिक्सा चालक, आठो चालक आदि मजदूरी करके दैनिक आमदनी से अपनी आजीविका चलाते हैं। कोविड-19 के कारण आमजन सुरक्षित रहे और यह वायरस अन्य लोगों में फैलने न पाये, इसी को दृष्टिगत रखते हुए मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को सम्बोधित करते हुए कहा था, कि ''हमें जान भी चाहिए और जहॉन भी चाहिए''। प्रधानमंत्री जी को यह जानकारी थी कि देश में बड़ी जनसंख्या दैनिक आमदनी पर निर्भर है, इसलिए उन्होंने पूरे देश के गरीबों, कमजोरों, श्रमिकों, दैनिक मजदूरों आदि के लिए आत्मनिर्भर भारत योजना एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अनन्न योजना

के अन्तर्गत देश की जनता में खाद्यान्न वितरित कराने की व्यवस्था की।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी लॉकडाउन से लेकर अभी तक लगातार गरीबों, श्रमिकों, दैनिक आमदनी से आजीविका चलाने वाले, गरीबों को खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था सुदृढ़ करते हुए प्रदेश के सभी जरूरतमंद लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे है। मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि पूरे प्रदेश में कोई व्यक्ति भूखा न रहे, सभी जरूरतमंदों को खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। जिन परिवारों के राशन कार्ड हैं या जिनके पास नहीं है, ऐसे सभी पात्रों को खाद्यान्न वितरित किया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि प्रदेश के किसी कोने से ऐसी कोई समस्या नहीं आई कि किसी गरीब, असहाय, श्रमिक जरूरतमंद को खाद्यान्न न मिला हो। लॉकडाउन के समय से लेकर आज तक सभी जरूरतमंदों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के श्रमिकोंध्कामगारों को भी राष्ट्रीय राशन पोर्टविलिटी के तहत खाद्यान्न का वितरण किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा असहाय, वृद्धजन, दिव्यांगजनों, निःशक्तजनों तथा हॉटस्पाट एरिया जहां पूर्ण लॉकडाउन था और आज भी वे उचित दर की दुकान तक नहीं जा सकते, उन क्षेत्र के ऐसे 7890 परिवारों को लगातार राशन की होम डिलीवरी की जा रही है। लॉक डाउन के दौरान बहुत से ऐसे परिवार, श्रमिक, गरीब और निःसहाय लोग थे, जिनके पास खाद्यान्न तो था किन्तु किसी कारणवश भोजन बना नहीं पाते थे। प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी जनपदों में कम्युनिटी किचन की व्यवस्था की जिसके माध्यम से गांवों नगरों में खाना बनाकर परिवारों, श्रमिकों को बना-बनाया भोजन आपूर्ति किया गया। प्रदेश सरकार कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रदेश के समस्त जनपदों में अन्य प्रदेशों से आने वाले श्रमिकोंध्कामगारों को प्रवास के लिए विभिन्न क्वारंटीन सेन्टर एवं ट्रांजिट कैम्प बनाये गये है, जहां वह निवासित थे, ऐसे लोगों को विशेष सतर्कता बरतते हुए अनुमन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उसी सेन्टर में की गई। ताकि लाभाथिन्यों के सुगमतापूर्वक इस योजना का लाभ प्राप्त हो जाय और उन्हें उचित दर की दुकानों पर न जाना पड़े। प्रदेश सरकार की सुदृढ़ सुव्यवस्थित राशन वितरण प्रणाली के कारण ही प्रदेश के गांवों, कस्बों, नगरों में हर जरूरतमंद को खाद्यान्न लगातार मिल रहा है। उ0प्र0 के श्रमिकध्कामगार जो देश के अन्य प्रदेशों से आये है, उन्हें प्रदेश सरकार सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा मुहैया करा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा हर पात्रों को दिये जा रहे राशन की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। प्रदेश के गाँवों के अंतिम व्यक्ति तक को राशन मिलने से मुख्यमंत्री योगी जी प्रदेश के गरीबों के मसीहा बन चुके हैं। 01 मार्च 2022 को जनपद प्रयागराज में अन्त्योदय योजना के 88108 कार्ड यूनिट 266366 एवं पात्रगृहस्थी 973651 कार्ड यूनिट 4131585 कुल 1061759 कार्ड एवं कुल यूनिट 4397951 प्रचलित है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नियमित वितरण के अन्तर्गत प्रथम चरण में प्रचलित अन्त्योदय कार्ड पर प्रति माह/प्रतिकार्ड 35 किग्रा0 खाद्यान्न (20 किग्रा0 गेंहू एवं 15 किग्रा चावल) तथा 01 किग्रा0 चीनी एवं 01 किग्रा0 चना, 01 किग्रा0 नमक एवं 01 ली0 खाद्य तेल वितरित कराया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नियमित वितरण के अन्तर्गत प्रथम चरण में प्रचलित पात्रगृहस्थी कार्ड पर प्रति माह प्रति कार्ड पर 01 किग्रा0 चना, 01 किग्रा0 नमक एवं 01 ली0 खाद्य तेल तथा प्रति यूनिट 05 किग्रा0 खाद्यान्न 03 किग्रा0 गेंहू एवं 02 किग्रा0 चावल) वितरित कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत द्वितीय चरण में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभाथिन्यों को 05 किग्रा0 खाद्यान्न (03 किग्रा0 गेंहू एवं 02 किग्रा0 चावल) प्रति व्यक्ति प्रति माह वितरित कराया जा रहा है।

निजि स्वार्थ के लिए बयान बाजी करते हैं तौकीर रजा - नसीर उद्दीन राईन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। नगर पंचायत फूलपुर मुहल्ला फरिदाबाद नसीर उद्दीन राईन के आवास पर समाजवादी पार्टी के

अल्पसंख्यक नेताओं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई जिसमें बरेली मौलाना तौकीर रजा के बयान को खंडन करते हुए जिला उपाध्यक्ष नसीर उद्दीन राईन ने कहा की इत्तेहादे कौंशिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा सूबे के सिहासी दलों के ऐजेंट है चंद पैसों व निजि स्वार्थ के लिए हमेशा ग़लत बयान बाजी मुस्लिम समाज को गुमराह करते रहते है कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव को वोट न देने की बयान पर राईन ने मुसलमानों को तौकीर रजा को भड़काने का आरोप लगाते हुए कहा समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने मुसलमानों के लिए जो किया वो लोगों से छुपा नहीं है चाहे कब्रिस्तान की बाउंड्री की बात हो या अल्पसंख्यक लड़कियों की सादी अनुदान हो या मदरसों को एडिट की बात हो उर्दू अनुवादक में नौकरियों की बात हो हर तरह से मुसलमानों की सम्मान की बात हो यदि मुस्लिम समाज की सम्मान है तो सिर्फ समाजवादी पार्टी में है ऐसे पाखंडी मौलानाओं को प्रदेश का मुस्लिम समाज खूब समझता है इनके बहकावे में नहीं आने वाला है समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो सर्व समाज की विकास के बारे में सोचती है उत्तर प्रदेश में विकास समृद्धि आपसी भाईचारा सद्भावना कायम रखना है तो समाजवादी पार्टी आवास्यक है

एक नफर अभियुक्त धराया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। थाना अध्यक्ष फूलपुर अमित कुमार राय मय हमराह टीम द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 131/2022 धारा 302, 307 के संबंध में एक नफर वांछित अभियुक्त सुभाष सिंह उर्फ लल्ला पुत्र हरीश चंद्र सिंह निवासी ग्राम गाजीपुर थाना मांधाता जनपद प्रतापगढ़ उम्र 39 वर्ष बुढ़िया का इनारा कुसेहटा रोड पर पुलिस हिरासत में लिया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। कब्जे से एक शस्त्र लाइसेंस तथा ?170 नगद मिला।गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय कांस्टेबल अर्जुन यादव, कांस्टेबल शिवम यादव आदि रहे।

ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह पर जियारत करने जाएंगे 53 अकीदतमंद

जियारत का मौका देवा शरीफ व अजमेर शरीफ सहित तमाम स्थानों पर मिलेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नैनी, प्रयागराज। ख्वाजा गरीब नवाज़ की दरगाह व देवा शरीफ मजार पर जियारत को लेकर एक वर्चुअल बैठक देवा सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित की गई। जिसे लेकर संस्थान के अध्यक्ष देवा श्रीवास्तव ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य भारत की धरोहर से लोगो को रूबरू करना है। साथ कि कम खर्च में संस्थान के सदस्यों व आम जन को दरगाह एवं मजार पर जियारत करना है। इसके बाद संस्थान के उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ल व नाजिम खान ने बताया कि सफ़र नैनी चकदोंदी से शुरु होकर आगरा ताजमहल, किला, राजस्थान अजमेर शरीफ दरगाह, हिन्दलवली ख्वाजा गरीब नवाज़ की दरगाह, आपके साहबजादे की दरगाह सरवाड़ शरीफ, आना सागर, ढाई दिन का झोपड़ा, लखनऊ छोटा इमाम बड़ा, बड़ा इमाम बड़ा, भूल भुलइय्या, देवा शरीफ होते हुए प्रयागराज वापस होंगी। संस्थान की अलकमा शेख़ राहिल अंसारी ने कहा की यह काफ़ी नेक काम है, जियारत करने और करवाने से काफ़ी सवाब मिलता है। अल्लाह ताला इससे खुश होते है और बरक्कत देते है। वर्चुअल बैठक में मुख्यरूप से कर्मवीर आर्या, मनतसा, आलसिफा, राहुल जयसवाल, जैनब, साईना, सानिया, हमजा, हबिबा, जीनत, रेहान, एलिशान, असद सहित तमान लोग मौजूद रहे।

कानपुर के प्रसिद्ध कवि ठप्रेमीठ जी की याद में रखी गई गोष्ठी

(आधुनिक समाचार सेवा)

कानपुर। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था मानसरोवर तत्वावधान में गोविन्द नगर के ' सी ' ब्लॉक स्थित चित्रगुप्त धर्मशाला में नगर के चर्चित कवि एवं ग़ज़ल-गो कीर्तिशेष राम किशन प्रेमी की प्रथम पुण्यतिथि पर एक स्मरण गोष्ठी आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता नगर के वरिष्ठ कहानी एवं उपन्यासकार श्री जयराम सिंह गौर एवं संचालन चर्चित ग़ज़ल-गो भाई राजेन्द्र तिवारी ने किया. सरस्वती को माल्यार्पण अध्यक्ष जी एवं प्रेमी के चित्र पर माल्यार्पण प्रेमी जी की धर्मपत्नी प्रतिभा निगम द्वारा करने के उपरान्त कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. मंजुलता श्रीवास्तव द्वारा की गई वाणी वन्दना एवं प्रेमी जी द्वारा सृजित एक गीत के काव्यपा से हुई. इस संस्मरण गोष्ठी में जिन

साहित्यकारों ने सहभागिता की वे थे सर्वश्री जयराम सिंह गौर, सुनील बाजपेई, मृदुल तिवारी, राजेन्द्र तिवारी, मुनींद्र शुक्ल ठमुनीन्द्रठ (लखनऊ), नवीन शुक्ल नवीन (लखनऊ), जयराम सिंह जय, श्रवण शुक्ल,शैलेन्द्र शर्मा, डॉ. मंजुलता श्रीवास्तव, डॉ. अंजनी सरीन, मधु मोहिल, अनन्तिम पत्रिका के सम्पादक एवं कवि सतीश गुप्त, देवेन्द्रठ सफलठ, नज़र कानपुरी, मनीष रंजन त्रिपाठी आदि थे. अपने संस्मरणों के साथ अनेक कवियों ने प्रेमी जी के गीतों-ग़ज़लों का पाठ भी किया. गोष्ठी के मध्यान्तर में लखनऊ से पधारे चर्चित ग़ज़ल-गो नवीन शुक्ल नवीन तथा नगर की लब्धप्रतिष्ठ कवयित्री डॉ, अंजनी सरीन का संस्था द्वारा सारस्वत सम्मान किया गया. गोष्ठी समापन पर संस्था के अध्यक्ष द्वरा प्रेमी जी के समस्त परिवार, कवियों और श्रोताओं के प्रति आभार प्रकट किया गया.

पवित्र माह रमजान का तीसरा आशरा शुरू

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। मुस्लिम समुदाय का पवित्र माह रमजान अपने दो अशरे पारकर 21 वे रमजान से तीसरे अशरे में दाखिल हो चुका है जैसा बताया जा चुका है कि पहला अशरा रहमत, दूसरा मगफिरत तथा तीसरा जहनुन्म से बचाव का है। इस 10 दिवसीय अशरे में पंचवक्ता नमाज में जहां लोग जहनुन्म से तौबा और बचाव की दुआ करते हैं। वही अपनी कमाई से जकात, फितरा,सदका, खैरात भी करते हैं। जिससे गरीबों की भी ईद हो सके। जकात,सदका, खैरात फितरा के पैसों से गरीब और सबसे निचली पायदान पर गुजर बसर करने वालों की भी ईद हो जाती है। इस्लाम ने सबके गुजर-बसर का बेहतर रास्ता पवित्र ग्रंथ कुरआन के जरिए निकाला है। 21वीं रमजान से अधिकांश मस्जिदों में एतेकाफ के लिए एक नमाजी अंतिम दिन यानी ईद का चांद देखने तक रहता है। जो पूरे बस्ती वालों के मोक्ष मगफिरत की दुआएं करता है।

छात्रवृत्ति के लम्बित आवेदन 27 अप्रैल तक होंगे सत्यापित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि शैक्षिक सत्र वर्ष 2021-22 में अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12) एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं से सम्बन्धित छात्र/छात्राओं के लम्बित आवेदनों के अग्रसारण हेतु समय सारिणी जारी की गई है। उन्होने बताया कि शिक्षण संस्था स्तर पर गत वर्ष में छात्र/छात्रा के अग्रसारण हेतु लम्बित आनलाईन आवेदन को प्राप्त करने के उपरान्त सत्यापित या निरस्त या अग्रसारित 27 अप्रैल 2022 तक करें। जिला विद्यालय निरीक्षक (कक्षा 11-12 हेतु) एवं सम्बन्धित विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा संस्था की मान्यता पाठ्यक्रम का वर्ष एवं अध्ययनरत वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या की प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से दिनांक 10 मई 2022 तक आनलाइन सत्यापित करें, अपात्रा छात्रों पाठ्यक्रमों संस्थाओं को ब्लाक करें।

संगम क्षेत्र में बिका सिगरेट/ गुटखा तो होगी कार्रवाईः एडीजी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। पुलिस, एनसीसी के जवान और गंगा टास्क फोर्स ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर शुक्रवार सुबह संगम तट पर सफाई अभियान चलाया। सफाई अभियान का हिस्सा बने एडीजी प्रेम प्रकाश ने कहा कि संगम क्षेत्र में सिगरेट, गुटके पर प्रतिबंध लगा है। संगम के आसपास कोई भी गुटखा खाते हुए पाया गया उस पर कार्रवाई की जाएगी। पान सिगरेट बेचने वालों पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। एडीजी ने लोगों से अपील किया कि वह स्वच्छता अभियान के तहत संगम क्षेत्र के आसपास प्लास्टिक और रबड़ न जलाएं। इस दौरान गंगा टक्सफोर्ड से जुड़े कर्नल वेदव्रत वेधा एसएसपी अजय कुमार और पैरा मिलिट्री के जवानों ने गंगा में साफ सफाई की और लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया।

एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या से फिर दहला प्रयागराज, कानून व्यवस्था फेल, एक हफ्ते में 12 की हुई सामूहिक हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। जिले में एक बार फिर सामूहिक हत्या की खबर आही है। थरवई थाना क्षेत्र स्थित खेवराजपुर गांव में अज्ञात बदमाशों ने एक ही परिवार के 5 लोगों की धारदार हथियार से वारकर की हत्या। एक मासूम के गंभीर रूप से घायल हो गयी है। पुलिस जांच पड़ताल करने में जुट गयी है। बता दें कि गंगापार क्षेत्र इलाके में बीते कुछ दिन पूर्व एक ही दिन में 7 हत्याओं की घटना घटित हो चुकी है। वहीं एक बार फिर गंगापार क्षेत्र इलाके में 5 लोगों की हत्या की घटना होने से हड़कंप मचा हुआ है। पूरा मामला जिले के थरवई थाना क्षेत्र के खेवराजपुर गांव का है। 22 अप्रैल की रात को अज्ञात हत्यारों ने राजकुमार यादव (55) पुत्र राम अवतार, उसकी पतनी कुसुम यादव (50), पुत्री मनीषा यादव (25), बहु सविता यादव (30) पतनी सुनील, नातिनी मीनाक्षी (2) पुत्री सुनील की धारदार हथियार से वार करके सबको मौत की नींद सुला दिया। वहीं, हत्यारे ने सविता की दूसरी बेटी पांच वर्षीय साक्षी पर भी धारदार हथियार से हमला किया है लेकिन उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस सामूहिक हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी ने घर में आग लगा दी। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंच गई है। इस मामले की जांच एसटीएफ को सौंपा गया है। घटना के बाद एसएसपी अजय कुमार, एसपी गंगापार पुलिस फ़ोर्स और फ़ोरेंसिक टीम समेत पहुंचे और अंतरिम जांच शुरू कर दी। इससे पहले 5 और 2 लोगों की एक ही हफ्ते में सामूहिक हत्या हो चुकी है। इन हत्याओं ने कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

किसान नेता ने प्रयागराज पुलिस का जताया आभार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। न्याय प्रिय व किसान हितैसी एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल के कुशल निर्देशन में अराजक ब्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किए जाने का भय इस कदर रहा कि

किसान नेता बब्लू दूबे को जान से मारने व अभद्रता किए जाने का आरोपी कोर्ट में सरेंडर की अर्जी डाली। मिली जानकारी के अनुसार अराजक ब्यक्ति ने 21 अप्रैल 2022 को कोर्ट में सरेंडर की अर्जी डाली। जिसकी सूचना मिलते ही किसान नेता व कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज अजय कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक गंगापार अभिषेक अग्रवाल के अराजक ब्यक्तियों व क्रिमिनल किस्म के अपराधियों के प्रति सक्रियता से मामले को संज्ञान में लेकर सोरांव थाना अध्यक्ष को त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश देने के 48 घंटे के भीतर अराजक ब्यक्ति ने कोर्ट में समर्पण कर दियाजिसका क्षेत्र में चारों तरफ से चर्चाएं जोर शोर से हो रही है किसान नेता बब्लू दूबे व साथी कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि ऐसे नेक ईमानदार पुलिस अफसर हर जिले में हो जाएं तो प्रदेश से बिलकुल अराजकता खत्म हो जाएगी। और हमारा प्रदेश क्राइम मुक्त प्रदेश हो जाएगा। सभी किसान नेताओं ने जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व पुलिस अधीक्षक गंगापार को तहे दिल से आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमारा संगठन प्रयागराज पुलिस का सहृदय से आभार प्रकट की। और कहा इस समय प्रयागराज पुलिस की छवि काबिले तारीफ है जो दोषियों के खिलाफ तत्काल एक्शन लेते हुए त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश देती है।

बन्दी के मृत्यु सम्बंधी प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु जांच अधिकारी नामित

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। यदि किसी को कोई लिखित एवं मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत करना हो अथवा बयान अंकित कराना हो, तो 30 अप्रैल को उपस्थित आकर अंकित कराना सुनिश्चित करें-अपर नगर मजिस्ट्रेट, तृतीय अपर नगर मजिस्ट्रेट, तृतीय ने बताया है कि विचाराधीन बन्दी इबरार उर्फ मुस्ताक पुत्र हसन अली, उम्र लगभग 59 वर्ष, निवासी भुभुआर थाना रानीगंज, जिला प्रतापगढ़, उ0प्र0 की दिनांक 08/09.01.2022 की रात्रि लगभग 03:41 बजे स्वरूप रानी चिकित्सालय, प्रयागराज में हुई मृत्यु के प्रकरण में मा0 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निणय दिनांक 05.04.2010 के अनुक्रम में जांच हेतु मजिस्ट्रेट्ट नामित करने के अनुरोध पर जिला मजिस्ट्रेट्ट, प्रयागराज के आदेश के क्रम में अपर जिला मजिस्ट्रेट्ट, नगर के द्वारा बन्दी के मृत्यु सम्बंधी प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु मुझे नामित किया गया है। मेरे द्वारा उक्त प्रकरण की जांच की जा रही है। उन्होंने समस्त जानसमुदाय/सम्बंधित से अनुरोध करते हुए कहा कि उक्त प्रकरण के सम्बंध में यदि किसी को कोई लिखित एवं मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत करना हो अथवा बयान अंकित कराना हो, तो दिनांक 30.04.2022 को इस कार्यालय में उपस्थित आकर अंकित कराना सुनिश्चित करें।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्रसंघ चुनाव में हुई व्यापक धांधली को लेकर एनएसयूआई ने दर्ज कराया विरोध प्रदर्शन

सत्ता के संरक्षण में विश्वविद्यालय प्रशासन ने की छात्र संघ चुनाव में धांधली

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी।। अभी 19 अप्रैल को हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव को लेकर चुनाव में हुई व्यापक धांधली को लेकर एनएसयूआई छात्र संगठन ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ पर ही देख लेंगे तो महामंत्री के प्रत्याशी को बराबर मत किया गया है वहाँ उस बूथ पर पड़े मतों की संख्या 45 है और गिने गए मतों की संख्या 43 है, ऐसा ज्यादातर बूथों पर किया गया है। वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र इससे पहले हुए के छात्रों का महामंत्री बनने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है हम अनवरत छात्रों की सेवा करते रहेंगे।। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अक्षय क्रांतिवीर ने कहा कि पुलिस प्रशासन जिस प्रकार से काम कर रही लग

भवन पर विश्वविद्यालय प्रशासन एवं सत्ता संरक्षित लोगों के ऊपर धांधली कराने का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष व इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के उपाध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस चुनाव में लिंगदोह समिति की सिफारिशों का कहीं से भी पालन नहीं किया गया लिंगदोह की सिफारिशों के अनुसार नामांकन के 10 दिन के भीतर चुनाव कराना कराया जाता है लेकिन महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में 17 दिसंबर 2021 को नामांकन हुआ और चुनाव संपन्न 19 अप्रैल को संभव हुआ,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्रसंघ चुनाव में विश्वविद्यालय प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संतरी जबरिया हस्तक्षेप कर बेईमानी पर उतारू थे, काशी विद्यापीठ छात्रसंघ चुनाव में 23 बूथ बने थे ,प्रत्येक बूथों पर पड़े मतों की संख्या और गिनती के बाद मतों की संख्या में जमीन आसमान का अंतर है,उदाहरण स्वरूप अंतिम बूथ 23 महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्रसंघ चुनाव व संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सूपड़ा साफ हुआ था, देश के प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र के सरस्वती जी के मंदिर का यह हाल है तो पूरे देश का क्या होगा। हमें माननीय न्यायालय पर पूरा भरोसा है बेमानी के खिलाफ हम हाईकोर्ट जाएंगे और महामंत्री के प्रत्याशी प्रभु पटेल को न्याय दिलाने का काम करेंगे। एनएसयूआई से छात्र संघ महामंत्री का चुनाव लड़ रहे प्रभु पटेल ने विश्वविद्यालय प्रशासन के ऊपर उन्हें जबरिया चुनाव हराने का आरोप लगाया है,प्रभु पटेल ने कहा कि सत्ता का दुरुपयोग कर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्रसंघ चुनाव में एऊघ् के अधिकृत महामंत्री पद के प्रत्याशी को 1426 वोट व के प्रत्याशी को 1425 वोट मिलने के बाद भी बराबर दिखाया जा रहा है, छात्रों ने हमें 1426 मत देकर महामंत्री चुना है,मुझे महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ रहा कि वह भाजपा का कार्यकर्ता है चुनाव के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा प्रत्येक एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर उनके ऊपर लूट जैसी संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छात्रसंघ चुनाव से दूर रखने का प्रयास किया गया,100 वर्षों के इतिहास में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में इस तरीके की कोई भी घटना नहीं देखी गई थी भारतीय जनता पार्टी उसके छात्र संगठन व विश्वविद्यालय प्रशासन की मिलीभगत ने काशी विद्यापीठ के इतिहास को लांच किया है हमारी लड़ाई आंदोलन के रूप में अनवरत जारी रहेगी। विरोध प्रदर्शन करने वालों में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्र संघ उपाध्यक्ष संदीप पाल छोटू,धनंजय कुशवाहा, अजय पांडेय,सत्यम कुशवाहा,अभिषेक शुक्ला,सौरभ द्विवेदी ,अरबाज खान,वैभव अनजान,जितेंद्र यादव,सुजीत गुप्ता इत्यादि लोग रहें।

डीह मेहदी के ग्राम पंचायत सदस्यों ने प्रधान पर फर्जीबाडे का लगाया आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर के डीह मेहदी ग्राम के ग्राम 8ग्राम पंचायत सदस्यों ने एक शपथ पत्र के माध्यम से ग्राम प्रधान पर उनके फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया है इन सदस्यों का कहना है कि कुछ माह पहले ग्राम प्रधान ने ग्राम विकास अधिकारी के साथ मिलकर ग्राम पंचायत की समितियों को गठित करने के लिए बैठक बुलाई जिसमें 15 में 8 सदस्य शामिल भी नहीं हुए और उनकी फर्जी दस्तखत करके ग्राम प्रधान ने समिति गठित करवा ली।बाद में ग्राम पंचायत के सदस्यों ने जब इसकी शिकायत की तो नई समिति को गठित करने का फैसला किया गया।चुनाव के एक साल बीत जाने के बावजूद भी इस ग्राम पंचायत में अभी तक ग्राम समितियों का गठन नहीं हो पाया है।इसका कारण गाँव वाले ग्राम प्रधान नवाब हुसैन का मनमानीपन और उसका फर्जीबाड़ा बता रहे हैं।अभी हाल में ही एक बार पुनः समितियों के गठन की बैठक बुलाई गई थी जिसमें कुल 13 सदस्यों ने शिरकत की।कुछ सदस्य निरक्षर हैं तो कुछ बहुत ही कम पढ़े लिखे हैं जिसके कारण वह अपने साथ अपने परिजन या विधि सलाहकार को बैठक स्थल पर गए थे।प्रधान ने यह कहकर उन्हें भगा दिया कि केवल निर्वाचित सदस्य ही बैठक में शामिल होंगे अन्यथा की स्थिति में समिति का गठन नहीं किया जाएगा।लिहाजा 10 सदस्य वहाँ से वापस आ गए जिसके कारण एक बार पुनः ग्राम समितियों का गठन नहीं हो पाया।8 सदस्यों ने शपथ पत्र के माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी से शिकायत किया है कि ग्राम प्रधान फर्जीवाड़ा करके काम करवा रहा है। न तो इन सदस्यों की सहमति ली जाती है और न ही कोई प्रस्ताव उनके सम्मुख रखा जाता है जिसके कारण ग्राम प्रधान मनमानी ढंग से काम कर रहा है।इससे शासन के धन का बहुत बड़ा दुरुपयोग हो सकता है।साथ ही निर्वाचित सदस्यों को उनके अधिकार से वंचित करने में इस ग्राम का प्रधान तानाशाही पर उतर आया है।ग्रामीणों का कहना है कि वह अपनी दबंगई और अपनी पत्नी के प्रधान रहने पर तालाब में शौचालय बनवाते समय पुलिस व प्रशासन से भिड़ने के कारण जेल भी भेजा जा चुका है।ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान के विरुद्ध कार्यवाही करने की माँग की है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने विकास कार्यक्रम संग कानून व्यवस्था की समीक्षा कर जून में प्रधानमंत्री के आगमन का दिया संकेत

वाराणसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में शुक्रवार की सुबह जनप्रतिनिधियों, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि किसी भी मामले में अपराधियों से शिकंजा कम नहीं होना चाहिए। तल्ख तेवर में कहा कि निगरानी बनाकर लगातार कार्रवाई करें। अवैध कब्जों व थोखाधड़ी के मुद्दे पर पुलिस कड़े कदम उठाए। मुख?यमंत्री ने अधिकारियों को हिदायत भी दी कि कार्रवाई में निदीष किसी भी प्रकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। सीएम ने छिनैती, छेड़खानी और महिला हिंसा के मामले में भी पुलिस को तत्काल एक्शन लेने को कहा। पुलिस को निर्देशित किया कि बिना किसी दबाव के अपराधियों पर कार्रवाई करें। किसी भी तरह की छूट न दें।

धरती की वेदना को बादलों ने भी नहीं समझा पर्याप्त नमी के अभाव में नहीं हो पा रही बारिश

वाराणसी। मौसम विभाग की ओर से पूरे सप?ताह बादलों की सक्रियता कम रहने की उम?मीद जताई गई है। इसके पीछे वातावरण में पर्याप?त नमी का अभाव जिम?मेदार है। माना जा रहा है कि गर्मी और हीट वेव का असर वातावरण में पर्याप?त नमी न होने की वजह से हो रहा है। इसके अलावा आने वाले दिनों में मौसम का पूर्वांचल के आसपास बादलों की सक्रियता बनी हुई है। लेकिन, पर्याप?त नमी के अभाव की वजह से बादलों की सक्रियता नहीं हो पा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले सप?ताह में मौसम का रुख मिला जुला रह सकता है। मौसम विभाग ने इस सप?ताह दो दिनों के बाद हीट वेव का संकेत जाहिर किया है। इसके अलावा

रुख लगातार बदलाव की ओर हो सकता है। क?योंकि लोकल हीटिंग का असर वातावरण में हो रहा है और नमी की कमी की वजह से बादलों की सक्रियता भी नहीं हो पा रही है और बादलों की आवाजाही भी बाधित है। बीते चौबीस घंटों में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान?य से दो डिग्री अधिक था। न?यूनतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान?य से एक डिग्री अधिक रहा। आर्द्रता अधिकतम 32 फीसद और न?यूनतम 15 फीसद दर्ज की गई। मौसम विभाग की ओर से जारी सैटेलाइट तस?वीरों के अनुसार तापमान में दोबारा इजाफा होने लगा है। वहीं उत?तर प्रदेश के आसपास बादलों की सक्रियता का रुख बना हुआ है। लेकिन, वातावरण में नमी की कमी होने की वजह से बादलों की सक्रियता नहीं हो पा रही है। धरती की वेदना को मानो बादल भी अब समझने को तैयार नहीं हैं। दो दिन पूर्व बादलों की सक्रियता भी हुई और मामूली बूंदाबांदी कर बादल निकल भी गए। इसके बाद दोबारा गर्मी ने सिर उठाना शुरू कर दिया है। अब मई के पहले पखवारे में प्री मानसूनी सक्रियता की उम?मीद बढ़ी है।

संकट मोचन संगीत समारोह में हनुमत दरबार में आस्था के गूंज रहे स्वर, सुर लय ताल से हो रही साधना

वाराणसी। संकट मोचन संगीत समारोह की चौथी निशा में शनिवार को सुर-लय-ताल की त्रिवेणी प्रवाहित हुई। इस दौरान आस्था के स्वरों से हनुमद दरबार गुंजायमान होता रहा और हनुमान दरबार में स्वरों से साधना भी हुई। शाम से ही दरबार में आस्था के स्वरों का नाद शुरू हुआ तो हनुमद दरबार में आस्था के सैकड़ों पग अनवरत पहुंचने लगे। हर हर महादेव के साथ जय हनुमान का उद्घोष हुआ और सुरों से साधना का क्रम शुरू हुआ तो देर रात तक आस्था में रचे पगे स्वरों के साथ कलाकारों ने समा बांध दिया। हनुमान प्रभु के दरबार में स्वर और नाद के साथ की कदमों की थाप से शनिवार को चौथी निशा में आस्था का गान ही नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और सद्भाव का भी अनोखा संगम नजर आया। अजान के स्वरों को साधने वालों ने हनुमान दरबार में आस्था के स्वरों को साधा तो तान छेड़कर समरसता और सद्भाव को अनंत ऊंचाइयां दीं। जैसे जैसे रात गहराती गई वैसे वैसे ही सुर गंगा काशी में मानो आयोजन के जरिए आकाश गंगा का रूप लेती नजर आयी। साधकों ने सुरों को साधा तो सांस?कृतिक आयोजनों से हनुमद

दरबार में अनोखा आकर्षण महसूस कर सुरों के चाहने वाले भी आस्था से ओत प्रोत हो उठे। संकट मोचन हनुमान के दरबार में भगवान शिव के रूद्र रूप की आराधना के साथ चौथी निशा का आरंभ आठ बजे के बाद शुरू हुआ तो धार्मिक स्वरूप से मंच जीवंत हो उठा। इस दौरान रायगढ़ घराने की कथक नृत्यांगना अनुराधा सिंह ने पांच मात्रा सूल ताल में निबद्ध से शिव वंदना पर नृत्य किया। शुद्ध तीन ताल में पारंपरिक कथक के बाद श्रीराधा कृष्ण के प्रसंगों को आधारित संक्षिप्त कथानक पर भाव नृत्य किया। वहीं आयोजन में तबले पर संगत कर रहे सलीम अल्लाहवाले ने गायन और हारमोनियम वादन का जिम्मा भी साथ- साथ निभाया। दूसरी प्रस्तुति में धारवाड़ के विजय पाटिल ने अपने गायन में राग सोहनी की अवतारणा की उन्होंने इस राग में बिलम्बित एक ताल में जागो कैलाश उमापति जागो व रंग रंगीला छैल- छबीला सुनाया। इसके बाद उन्होंने राग मारू बिहाग में कहता है जगत मन है प्रिय शिव भजन सुनाया।। तबला पर रूपक कल्लूरकर व हारमोनियम पर नरेंद्र नायक ने संगत की। तीसरे कलाकार के रूप में पद्मश्री शाहिद परवेज ने अपने सितार के तारों की झंकार से मंदिर परिसर को गुंजायमान कर दिया। उनके साथ तबले पर जोरदार संगत तबला के शलाखा पुरुष पंडित शारदा सहाय के पुत्र पंडित संजू सहाय (वाराणसी) ने किया। दोनों कलाकारों की संगत ने प्रचलित राग जोगेश्वरी की अवतारणा में अपनी विद्वत्ता की छाप छोड़ी। इसमें आलाप, जोड़ व झाला में राग का बखूबी विस्तार किया। वाद्य संगीत की दोनों विधाओं की युगलजोडी ने ऐसी टंकार लगाई कि श्रोता भाव विह्वल हो उठे। निशा का चौथा सोपान उस्ताद मशकूर अली खां का गायन रहा। उनकी गायकी में किराना घराने की पूरी झलक सुनाई पड़ी। पारिवारिक परम्परा से आगत गायन में अपने दादा गुरु अब्दुल करीम खां व अब्दुल बहीद खां के साथ ही पिता पद्मश्री उस्ताद शकूर खां की गायकी का असर बखूबी दिखा। उन्होंने राग मालकौस की अवतारणा की। उन्होंने इस राग में बिलम्बित झूमरा ताल में कृष्ण माधो राम नाम निर्जन गोविंद गोपाल सुनाया। इसी राग की बढ़त में जब उन्होंने द्रुत तीन ताल में मूरख मन मोरे सुनाया तब श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रस्तुति को वाहवाही दी। सुबह तक श्री संकट मोचन संगीत समारोह में बांसुरी वादन पं. रोनू मजूमदार, पं. रतन मोहन शर्मा ने गायन, डॉ.एम ललिता-एम नंदिनी ने वायलिन वादन किया।

मातृभाषा में शिक्षा से प्रत्येक वर्ग का युवा बनेगा आत्मनिर्भर भारत की नींव राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

वाराणसी । अनुसूचित जाति के छात्रों को प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए देश के 31 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं। शुक्रवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इस योजना का शुभारंभ केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डा. विरेन्द्र कुमार ने रिमोट से किया। साथ ही इस योजना के लिए विश्श्वविद्यालयों में स्थापित डा. आंबेडकर पीठ के प्रभारी प्रोफेसर्स से समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान के शताब्दी भवन के सभागार में आयोजित उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि

उपस्थित प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मातृभाषा में उच्च शिक्षा पर बल दिया। कहा कि मातृभाषा में मेडिकल, इंजीनियरिंग की पढ़ाई होने से गरीब वर्ग के छात्र भी लाभान्वित होंगे और समाज में आर्थिक विषमता की खाई मिटेगी। साथ ही प्रत्येक वर्ग के मेधावी छात्रों को इन सेवाओं में जाने का समान अवसर सही मायनों में उपलब्ध होगा। उन्होंने उच्च शिक्षा के साथ ही प्रारंभिक शिक्षा को जीवन की नींव बताते हुए उसे मजबूत किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक विद्यालयों व गांवों को गोद लेने का समारोह में उपस्थित सभी 31 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों/ प्रतिनिधियों का आह्वान किया। कहा कि विश्वविद्यालय गांवों में जाएं और अपने सामाजिक दायित्व के तहत गरीब बच्चों को शिक्षा और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ कर उनके उत्थान के लिए अभियान चलाएं। बताया कि उत्तर प्रदेश में सभी राज्य विश्वविद्यालयों को पांच और सभी संबद्ध महाविद्यालयों को एक-एक गांव गोद लेकर उसका विकास करने का निर्देश दिया गया है। स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाज में व्याप्त विषमता की खाई भी इस बात के लिए जिम्मेदार है कि आज 75 र्षों में भारत का एक भी विश्वविद्यालय दुनिया के टाप 10 विश्वविद्यालयों में नहीं है। अनुसूचित छात्रों को प्रशासनिक सेवाओं के लिए निश्शुल्क कोचिंग की व्यवस्था करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डा. विरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर द्वारा दलितोत्थान के लिए देखे गए स्वपनें को पूरा करने में पूरी तन्मयता से जुटे हैं। देश के 31 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में डा. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र व 24 विश्वविद्यालयों में डा. आंबेडकर पीठ की स्थापना इसी क्रम में किया गया एक बड़ा सार्थक प्रयास है। यही नहीं डा. आंबेडकर के जीवन से जुड़े पंचतीर्थी (उनकी जन्मभूमि- महू, दीक्षा भूमि- नागपुर, मुंबई का इंदुमिल लंदन में बाबा साहब का निवास स्थल व दिल्ली के हलीपुर में वह स्थान जहां बाबा साहब ने अंतिम सांस ली) का विकास भी डा. आंबेडकर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई सच्ची श्रद्धांजलि व देश ही नहीं दुनिया भर के दलित समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला है। समारोह का शुभारंभ महामना मदन मोहन मालवीय व डा. आंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन तथा कुलगीत से हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ए नारायण स्वामी, मंत्रालय के सचिव वरिष्ठ आइएएस आर सुब्रमण्यम, डा. आंबेडकर प्रतिष्ठान नई दिल्ली के निदेशक विकास त्रिवेदी, सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री आनंद कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन प्रो. संगीता पंडित ने किया। केंद्र सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक ने कहा कि मैं त्रिपुरा जैसे छोटे राज्य के दलित परिवार से आती हूं। मैं जिस परिवेश में पली-बढ़ी, उसमें कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि एक दिन बीएचयू जैसे विशाल विश्वविद्यालय के सभागार में खड़ी होकर बोलूंगी। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ही हैं जो दलितों-पिछड़ों के वास्तविक विकास को अपने जीवन की प्राथमिकता मानते हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई अनेक योजनाएं, आवास, शौचालय आदि के धरातल पर काम इतने बड़े पैमाने पर प्रधानमंत्री की इच्छाशक्ति से ही हो सके हैं।

गर्मी में बिजली उत्पादन में कोयला आपूर्ति न बने बाधा इसलिए बिना ठहराव पास हो रही कोयला लदी मालगड़ियां

वाराणसी। रेलवे की ओर से हर दिन उत्तर रेलवे वाराणसी रेलखंड से मालगाड़ी की 45 से 53 रैक निकाली जा रही हैं। इस बाबत परिचालन व्यवस्था पर रेलवे बोर्ड स्तर से नजर रखी जा रही है। इस लिहाज से कोयला ढुलाई के क्षेत्र में रेलवे ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अत्याधिक दबाव वाले उत्तर रेलवे होने के संकट की आशंका को भांपते हुए भारतीय रेलवे ने भी अपनी कमर कस ली है। समय रहते पूरा महकमा सतर्क हो गया है। कोयला लदे मालगाडि़यों को प्राथमिकता पर चलाई जा रही है। वाराणसी के रास्ते ऊंचाहार और टांडा थर्मल पावर प्लांट जाने वाले रैक को बिना किसी ठहराव के निकाला जा रहा है। इस पूरे किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया जा रहा है। वहीं, एमटी (खाली) रैक को 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ाया जा रहा है। कोयले की ढुलाई तेज : ऊंचाहार और टांडा थर्मल पॉवर प्लांट में कोयले की आपूर्ति धनबाद (झारखंड) स्थित खदान से की जाती है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के वाराणसी सेक्शन

वाराणसी रेलखंड पर मेल/ एक्सप्रेस के साथ 45 से 53 मालगाड़ी के रैक प्रतिदिन चलाए जा रहे हैं। खास यह है कि कोयला लदे मालगाडियों के परिचालन व्यवस्था पर रेलवे बोर्ड स्तर से नजर रखी जा रही है। दरअसल, गर्मी के चलते देशभर में बिजली की मांग काफी बढ गई है। परिणाम स्वरूप बिजली संयत्र कोयले की खपत भी तेज हो गई है। ऐसे में संयंत्र ठप परिचालन की निगरानी रेलवे बोर्ड स्तर पर की जा रही है। मालगाड़ी की बढ़ाई गति : समयबद्ध परिचालन और कोयले की ढुलाई के लिए मालगाडि़यों की गति बढ़ाई गई है। अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) अश्विनी श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक टीम का भी गठन किया गया है। बॉब -आर और बॉक्सन (मालगाड़ी के प्रकार) के लोडेड वैगन को 70 से 75 से औसतन 20 से 25 रैक निकाले जाते हैं। जिसकी संख्या में बढ़ोतरी आई है। मौजूदा हालात को देखते हुए डाउन और अप लाइन से प्रतिदिन 45-53 रैक निकाले जा रहे हैं। बोले अधिकारी : वाराणसी रेलखंड पर कोयला लदे मालगाडियों को प्राथमिकता के आधार पर चलाया जा रहा है। ताकि बिजली संयंत्र तक समय से आपूर्ति की जा सके।

वाराणसी में सड़क पर फंस गई बरात तो बारातियों ने फावड़ा लेकर खुद सड़क बनाना शुरू कर दिया

वाराणसी। वाराणसी शहर में विकास के कार्यों को लेकर परियोजनाएं इन दिनों शहर में खूब चल रही हैं। ऐसे में सुबह से शाम तक सड़कों की खोदाई होने से जगह जगह जाम के हालात होने से लोगों को खूब मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसे ही जलकल विभाग की मनमानी की शिकार सिगरा के सोनिया मार्ग पर सड़क खोदी होने से बरातियों की मानो शामत आ गई। मगर, बरातियों ने भी ठान? लिया कि जैसे वह फंसे हैं वैसे कोई और न फंस जाए इसलिए उन्होंने पास के बाजार से फावड़ा खरीदकर खुद ही सड़क को समतल करना शुरू कर दिया। इस घटना की तस्वीरें भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने से लोग खूब रुचि लेकर यह सूचना साझा कर रहे हैं। सामना कुदाल से गड्ढा पाट बस को निकाले : जलकल की मनमानी एक बार फिर सामने आई है। सिगरा स्थित सोनिया मार्ग पर पिछले एक महीने से सड़क में पाइपलाइन का कार्य बड़ी धीमी गति से चल रहा है जिसके कारण वहां के दुकानदार एवं आम जनमानस को आवागमन में तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच शनिवार को बारातियों की एक बस सुबह खोदाई स्थल पर ही फंस गई। जिसके कारण बराती खुद उतरकर अपना रास्ता बनाने में लग गए। बाराती सबसे पहले फावड़ा खरीदकर लाए और सड़क बनाकर बस को काफी मशक्कत के बाद निकालने में सफल हो सके। वहीं यह खबर जिले में सुबह से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। बारातियों की मेहनत चर्चा में : सिगरा स्थित सोनिया मार्ग पर बीते लगभग

माह भर से सड़क में पाइपलाइन का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा था। जिसके कारण वहां के दुकानदार और आम जनमानस को आवागमन में तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच शनिवार को बरात फंस गई तो बाराती खुद उतरकर अपना रास्ता बनाने में लग गए। हाथ में फावड़ा और बेलचा लेकर जुट गए तो स?थानीय लोगों ने भी बारातियों के प्रयास को सराहा है। वहीं स?थानीय लोगों को भी अब सड़क बनने से राहत महसूस हो रही है।

सम्पादकीय

कोविड मुक्त भारत के लिए पारंपरिक ज्ञान विज्ञान का उपयोग कितना महत्वपूर्ण है हमारे लिए

कोरोना वायरस जनित महामारी की तीसरी लहर में ओमिक्रान वेरिएंट ने विश्व के अधिकांश हिस्से को प्रभावित किया है। इस बीच देश में कोरोना संक्रमण की चौथी लहर आने की आशंका भी जताई जा रही है। कोरोना संक्रमण के लगातार बने रहने की एक बड़ी वजह है बहुत सारी चीजों या वस्तुओं की वे सतहें जिनके संपर्क में हम दिन-रात आते हैं। इन सतहों पर अनेक प्रकार के बैक्टीरिया, जर्म्स और वायरस चिपके होते हैं। इसके साथ जाने-अनजाने में उन्हीं हाथों से हम अक्सर अपने मुंह, नाक, आंखों आदि को छूते हैं और इसके चलते हम अपने अंदर न जाने कितनी तरह की बीमारियां ले जाते हैं, जिसमें कोरोना भी शामिल होता है। तो क्या है इसका इलाज और कैसे हम चिंतामुक्त रहें कि इन सतहों को छूने से हमें बीमारियां न हों? इन प्रशनें का उत्तर ढूंढने के लिए हमें अपने पारंपरिक मूल्यों और गौरवशाली अतीत की ओर लौटना होगा जहां स्वच्छता की बात सबसे पहले होती थी। यह बहुत पुरानी बात नहीं है, जब हमारे घरों में खाने के लिए तांबा, कांसा या पीतल से बने बर्तनों, थालियों और लोटे आदि का उपयोग होता था। वर्ष 1980-85 से पहले पैदा हुए ज्यादातर भारतीय तो इन्हीं बर्तनों का उपयोग करते-करते बड़े हुए हैं, क्योंकि ऐसा माना जाता रहा है कि तांबे या तांबा-मिश्रित धातु मसलन पीतल और कांसे के बर्तनों में हानिकारक जीवाणु या विषाणु नहीं टिक पाते हैं। यह तो आज भी माना जाता है कि तांबे के बर्तन में रात को पानी रखकर सुबह उसी पानी का खाली पेट सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत रहता है और यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता हैऋग्वेद और अथर्ववेद सहित कई प्राचीन ग्रंथों में ताम्र यानी तांबा को सबसे महत्वपूर्ण धातुओं में गिना गया है। भारतीय चिकित्सा पद्धति के जनक सुश्रुत द्वारा रचित सुश्रुत संहिता में शरीर के आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की बीमारियों के इलाज में तांबे के उपयोग का उल्लेख है। आयुर्वेद में 'ताम्र भस्मऽ का उल्लेख एक चमत्कारी औषधीय घटक के रूप में किया गया है। सदियों से मौजूद इस भारतीय पारंपरिक ज्ञान की पुष्टि अब आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान भी कर रहे हैं। पिछले साल फरवरी में, अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (यूनाइटेड स्टेट्स एन्वायरमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी) ने सर्टिफिकेट देते हुए कहा कि तांबा 'दो घंटे के भीतरऽ कोरोना वायरस को 99.9 प्रतिशत तक खत्म कर देता है। इस सर्टिफिकेट को जारी करते वक्त यूएस-ईपीए (जिसके प्रमाणपत्रों को गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है) ने कहा कि तांबे से बने वह पदार्थ जिनमें 95.6 प्रतिशत या उससे अधिक तांबा होता है, वह कोरोना वायरस को दो घंटे के भीतर 99.9 प्रतिशत तक खत्म कर सकते हैं और उसके बाद भी कोरोना वायरस को खत्म करने की यह प्रक्रिया सतत जारी रहती है। इससे पहले न्यू इंग्लैंड जर्नल आफ मेडिसिन में वर्ष 2020 में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन में कहा गया था कि कोरोना वायरस तांबे की सतहों पर चार घंटे के भीतर समाप्त हो जाता है, जबकि स्टेनलेस स्टील, गत्ते और प्लास्टिक की सतहों पर यह 72 घंटे तक जीवित रह सकता है। साक्ष्यों और आंकड़ों द्वारा प्रमाणित ये सभी वैज्ञानिक अनुंसधान और शोध-अध्ययन पारंपरिक भारतीय ज्ञान-विज्ञान की बहुत बड़ी जीत है और इस 'जीतऽ का बड़े पैमाने पर उपयोग महामारी से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके स्वास्थ्य, अन्य प्रणालियों और रोजमर्रा के जीवन को फिर से पटरी पर लाने में किया जा सकता है। तांबे का इस्तेमाल अन्य जगहों पर भी बड़े पैमाने पर किया जा सकता है, ताकि कोरोना सहित जाने-अनजाने वायरस और बैक्टीरिया का खतरा कम किया जा सके। उदाहरण के रूप में हम सार्वजनिक परिवहन या पार्क, ऐतिहासिक स्मारकों, पर्यटन स्थलों जैसे सामूहिक उपयोग की जगहों को ले सकते हैं। इनके अंदर हर उस जगह, जो सबसे ज्यादा छुई जाती हो, उसे तांबा या तांबा-मिश्रित धातुओं का बनाया जा सकता है, ताकि लोगों को तमाम कीटाणुओं-विषाणुओं के खिलाफ हर समय सुरक्षा मुहैया कराई जा सके और संक्रमित होने के डर को काफी हद तक कम किया जा सके। आधुनिक विज्ञान की ओर से मान्यता : यह हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है ।

चीन की चाल को समय रहते भांपते हुए मालदीव फिर से भारत से रिश्ते मजबूत करने पर क्यों देगा ध्यान

पड़ोसी देश मालदीव में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की श्पड़ोसी प्रथमश्च की नीति रंग लाती दिख रही है। दरअसल मालदीव के वर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम सोलेह ने वहां श्इंडिया आउट कैंपेन्चश पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोलेह ने साफ तौर पर कह दिया है कि यह अभियान मालदीव की राष्ट्रीय सुरक्षा और साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक खतरा है। वहीं दूसरी ओर भारत के नए श्चीफ आफ नेवल स्टाफश्च ने अपनी पहली विदेश यात्रा मालदीव से आरंभ की है। उनकी इस यात्रा के दौरान भारत और मालदीव के द्वारा पहला संयुक्त नेविगेशन चार्ट (नौगमन चार्ट) जारी किया गया है। इन दोनों घटनाक्रमों के प्रभावों पर चर्चा करने के पहले यह जरूरी हो जाता है कि मालदीव में श्इंडिया आउट कैंपेन्च की पृष्ठभूमि समझ ली जाए। मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोलेह ने वहां के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के भारत विरोधी अभियानों को सफल न होने देने का मजबूत फैसला कर लिया है। मालदीव का कहना है कि उसके संविधान के तहत विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सब को मिली हुई है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि किसी महत्वपूर्ण पड़ोसी राष्ट्र के खिलाफ जहर उगला जाए और उसके खिलाफ षड्यंत्र किया जाए। इंडिया आउट कैंपेन को मालदीव ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन कहा है। इस मामले में मालदीव की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने हाल ही में निर्णय करते हुए कहा है कि श्इंडिया आउट कैंपेन्च जैसे अभियान भारत के खिलाफ घृणा की भावना को भड़काते हैं। दरअसल इंडिया आउट कैंपेन हाल ही में तब शुरू हुआ था जब मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन जो चीन समर्थक नेता माने जाते हैं। उनकी जेल से रिहाई हुई और उन्होंने अपने समर्थकों के साथ यह कहना शुरू किया कि इब्राहिम सोलेह सरकार नई दिल्ली के हाथों में एक कठपुतली है और मालदीव भारत सरकार को अपने समुद्री क्षेत्रों में नौसैनिक अड्डे बनाने की सुविधा देकर इस देश में भारत की सैन्य उपस्थिति को बढ़ावा दे रहा है। वहीं दूसरी तरफ मालदीव के वर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम सोलेह ने वर्ष 2018 में राष्ट्रपति बनने के साथ ही श्इंडिया फर्स्ट पालिसीश्च को अपनाया था। यहां इस बात का उल्लेख करना भी जरूरी है कि ब्रिटेन के औपनिवेशिक शासन से आजाद होकर वर्ष 1965 में मालदीव जब एक स्वतंत्र देश बना था, तो भारत पहला देश था जिसने मालदीव को राजनीतिक और राजनयिक मान्यता प्रदान की थी। इसी कारण वर्ष 1970 में ही मालदीव शासन ने श्इंडिया फर्स्ट पालिसीश्च को अपनाया था, लेकिन कालांतर में चीन समर्थक नेताओं के मालदीव की सत्ता पर काबिज होने के साथ ही इस नीति को झटका लगा। इस बीच भारत ने हाल के समय में दृढ़ इच्छाशक्ति बना ली है कि किसी भी हालत में मालदीव को भारत विरोधी तत्वों से गुमराह नहीं होने दिया जाएगा। मालदीव के साथ संबंधों में इस स्तर के विश्वास को पैदा किया जाएगा ताकि मालदीव को अपना सच्चा हित भारत से जुडने में ही नजर आएगा।इस बीच अब्दुल्ला यामीन के राजनीतिक कैंप का प्रतिनिधित्व करने वाले घटक प्रोग्रेसिव कांग्रेस कोएलिशन ने राष्ट्रपति इब्राहिम सोलेह के इंडिया आउट कैंपेन पर प्रतिबंध लगाने वाली डिक्री को असंवैधानिक करार देते हुए निंदा की है। इन विरोधी दलों का कहना है कि इब्राहिम सोलेह ने मालदीव में भारतीय सैन्य बलों की बढ़ती उपस्थिति का विरोध करने वाली विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निलंबित कर दिया है। अब्दुल्ला यामीन के समर्थकों का कहना है कि मालदीव के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि एक निर्वाचित राष्ट्रपति ने अपने लोगों की आवाज को अनसुना कर देश में विदेशी सैन्य बलों की उपस्थिति को मजबूती देने का निर्णय किया है। वहीं दूसरी ओर भारत समर्थक दल और नेता भी इस मामले पर सक्रिय हैं। अभी हाल ही में मालदीव की संसद में यहां के पूर्व राष्ट्रपति और संसद के पूर्व अध्यक्ष व भारत समर्थक नेता मोहम्मद नशीद ने कहा था कि अब्दुल्ला यामीन के निवास के बाहर इंडिया आउट के जो भी बैनर लगे हैं, उन्हें वहां से हटाया जाना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट बताते हैं कि मालदीव पुलिस ने उसके बाद तुरंत ही ऐसे बैनर वहां से हटा भी दिए। मालदीव की भारत समर्थक नीति रू मालदीव भारत को एक जिम्मेदार और मुश्किल समय में सबसे पहले काम में आने वाले राष्ट्र के रूप में मानता है। मालदीव के शीर्ष नेतृत्व कई अवसरों पर इस बात का उल्लेख कर चुके हैं कि वर्ष 1988 में आपरेशन कैक्टस के जरिए भारत ने मालदीव को सैन्य सहायता प्रदान की थी। वर्ष 2004 में हिंद महासागर में आई सुनामी के बाद भारत पहला देश था जिसने त्वरित गति से मालदीव को मदद पहुंचाई थी और 2014 में जब मालदीव में गंभीर जल संकट की स्थिति हुई तो भारत ने आपरेशन नीर के जरिए हवाई मार्ग से मालदीव को जल उपलब्ध कराया। मालदीव की सरकार चीन की तुलना में भारत का अपने प्रति सद्भाव और सहयोग की भावना और उसका स्तर जानती है। मालदीव को पता है कि भारत ने अपने पड़ोसी प्रथम की नीति में मालदीव को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। भारत ने अपने सागर विजन, सागरमाला, प्रोजेक्ट

मौसम में मालदीव को अभिन्न भाग के रूप में देखा है और इसके साथ ही भारत हाई इंपैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना आदि क्षेत्रों में) के जरिये लगातार मालदीव के सशक्तीकरण पर काम करता आया है और यही कारण है कि मालदीव की वर्तमान सरकार ने इंडिया फर्स्ट पालिसी को अपनाया है। जिसका मतलब है कि भारत की कंपनियों का मालदीव में निवेश बढ़े, भारत और मालदीव के मध्य समुद्री और प्रतिरक्षा साझेदारी बढ़े। मालदीव के विकास में भारत एक सामरिक साझेदार के रूप में काम करे और मालदीव की अर्थव्यवस्था और उसके शासन तंत्र को मजबूती देने में भारत की सभी भूमिकाएं स्वागत योग्य होंगी। पहले स्थिति यह थी कि अब्दुल्ला यामीन के शासनकाल में चीनी निवेश को मालदीव में बढ़ाने के लिए कानून बनाए जाते थे, मालदीव में नौसैनिक अड्डे और कोस्टल राडार सिस्टम को लगाने में चीन को तरजीह दी जाती थी। मालदीव चीन से अधिक ऋण भी लेता था और यामीन के समय में ही मालदीव ने चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौता भी किया था यानी उस समय चाइना फर्स्ट पालिसी काम कर रही थी और अब जबकि मालदीव में चीन के प्रभाव में कमी आई है तो वहां भारत विरोधी तत्वों को यह बात हजम नहीं हो रही है और वह भारत के लिए हर प्रकार के षड्यंत्र को अंजाम देने का प्रयास कर रहे हैं। कहा जाता है कि परसेप्शन मैनेजमेंट देशों की विदेश नीति खासकर भारत की विदेश नीति में अहम भूमिका निभाने लगा है। इस नीति के तहत भारत किसी दूसरे देश में इस प्रकार की कार्रवाइयों को अंजाम देता है, जिससे वहां की आम जनता वहां का समाज और सांस्कृतिक समुदाय भारत से भावनात्मक रूप से जुड़ सके और भारत की नीतियों और पहलों को समर्थन दे सके। मजबूत होती इंडिया फर्स्ट पालिसी। भारत के नए चीफ आफ नेवल स्टाफ ने अपना पदभार ग्रहण करते ही अपनी पहली यात्रा मालदीव से आरंभ की है। 18 से 20 अप्रैल के दौरान हुई अपनी यात्रा में उन्होंने मालदीव के राष्ट्रपति, विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और चीफ आफ डिफेंस फोर्स से मुलाकात की। भारत ने मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स कोस्ट गार्ड फ्लीट के रखरखाव और मरम्मत के लिए लगातार मदद देना जारी रखा है जिसका परिणाम है कि आज मालदीव भारत के साथ हिंद महासागर की सुरक्षा और विशेष रूप से उसकी समृद्धि को कायम रखने व उसे प्रोत्साहित करने के लिए एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में खड़ा दिखाई दे रहा है। भारत की किसी भी प्रकार की कूटनीति और आर्थिक सहायता या मदद देने की रणनीति के पीछे एक महत्वपूर्ण उद्देश्य पड़ोसी देश को एक जिम्मेदार राष्ट्र बनाना रहा है। कई अवसरों पर भारत को इसमें सफलता नहीं मिल पाई, परंतु भारत ने अपने इस प्रयास को नहीं छोड़ा और दक्षिण एशिया में अपने पड़ोसी राष्ट्रों के लिए मानव संसाधन विकास रणनीति को अपनी विदेश नीति के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में अपनाया जिसका मतलब यह है कि भारत अपने पड़ोसी देशों खासकर मालदीव, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों समेत नेवी कोस्ट गार्ड और न्यायपालिका से जुड़े अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर क्षमता निर्माण और कौशल विकास के लिए लगातार काम करता रहा है। भारत के चीफ आफ नेवल स्टाफ की इस यात्रा के दौरान भारत और मालदीव के द्वारा पहला संयुक्त नेविगेशन चार्ट (नौगमन चार्ट) लांच किया गया है। इसके साथ ही भारत ने मालदीव नेशनल डिफेंस को मजबूती प्रदान करने के लिए हाइड्रोग्राफिक उपकरण भी इस बीच सौंप दिए हैं। चीफ आफ नेवल स्टाफ ने मालदीव के सामुद्रिक परिसंपत्तियों को देखने के लिए भी अलग–अलग स्थलों का भ्रमण किया जिससे यह साफ जाहिर होता है कि भारत और मालदीव समुद्री सुरक्षा संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं और यह हिंद महासागर और साथ ही दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप के सुरक्षा और विकास की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण कदम होगा। गौरतलब है कि भारत और मालदीव के बीच में हाइड्रोग्राफिक कोआपरेशन के लिए मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर हो चुका है और इसीलिए मालदीव के समुद्री क्षेत्र में हाइड्रोग्राफिक सर्वे के लिए भारत के आइएनएस सतलुज को तैनात किया गया। मालदीव की सामुद्रिक परिसंपत्तियों को भारतीय नौसेना और मालदीप की नौसेना के कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से सुरक्षा प्रदान की जा रही है। हिंद महासागर में भारत और मालदीव के साझा समुद्री हित हैं और दोनों को एक समान मुद्दे प्रभावित भी करते हैं। इसीलिए दोनों राष्ट्रों ने कई संस्थाओं के तत्वावधान में अपने संबंधों को मजबूती दी है, जैसे इंडियन ओशन नेवल सिंपोजियम और कोलंबो सिक्योरिटी कान्क्लेव। भारत ने मालदीव के साथ व्हाइट शिपिंग एग्रीमेंट किया है। मालदीव राष्ट्रीय सुरक्षा तटरक्षक बल द्वारा सिफावारु बंदरगाह का विकास, सहयोग व रखरखाव किया जा रहा है, जिसमें भारत मदद देगा। अप्रैल 2013 में मालदीव द्वारा किए निवेदन के तहत उसके द्वीपों व आर्थिक क्षेत्रों में नियंत्रण व निगरानी के लिए भारत उसके सुरक्षा बलों को मदद देगा। इसके अलावा, मालदीव की तटरक्षा क्षमता व सुविधाओं के विकास के लिए भारत मानवीय मदद व आपात राहत मुहैया करवाएगा। भारत मालदीव के दूसरे बड़े शहर अद्दू में सड़कें बनाने में भी मदद देगा। इस प्रकार के कुल आठ प्रोजेक्ट पर दोनों देश साथ काम करेंगे।

प्रीमियर लीग क्लब चेल्सी को खरीदने के लिए बोली लगाएंगे सेरेना विलियम्स और लुइस हैमिल्टन

लंदन। महिलाओं में पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी अमेरिका की सेरेना विलियम्स और सात बार के फार्मूला वन विश्व चैंपियन लुइस हैमिल्टन प्रीमियर लीग क्लब चेल्सी को खरीदने के लिए मार्टिन ब्राटन की बोली में शामिल हो गए हैं। बोली से जुड़े एक सूत्र ने इसकी जानकारी दी। लिवरपूल के पूर्व चैयरमैन ब्राटन के संघ में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टिन को सहित दुनिया भर के निवेशक शामिल हैं। समूह का कहना है कि यह सभी ब्राटन की बोली का समर्थन कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सेरेना और हैमिल्टन बोली के लिए अनुमानित 10-10 मिलियन पौंड (करीब 99 करोड़ रुपये) खर्च कर सकते हैं। हैमिल्टन के प्रतिनिधियों ने इस बात की पुष्टि की है कि वह ब्राटन की बोली में शामिल होंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताए गए वित्तीय आंकड़े सही नहीं है। मैनचेस्टर, एपी। दूसरे हाफ में किए तीन गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने प्रीमियर लीग मुकाबले में मैनचेस्टर युनाइटेड पर जीत दर्ज करके शीर्ष पर जगह बनाई थी लेकिन मैनचेस्टर सिटी ने ज्यादा देर तक उसे शीर्ष पर रहने नहीं दिया। मैनचेस्टर सिटी 77 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि लिवरपूल की टीम 76 अंक लेकर दूसरे स्थान पर खिसक गई है। हालांकि, दोनों टीमों के बीच महज एक अंक का फासला है। इससे पहले, दोनों टीमों के बीच पहले हाफ तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर रहा। लेकिन दूसरे हाफ में रियाद

चेल्सी की शीर्ष स्थिति को बरकरार रखना चाहते हैं। निजी इक्विटी दिग्गज जोश हैरिस और डेविड ब्लिट्जर भी ब्राइटोन को 3-0 से हराकर फिर से शीर्ष स्थान पर अपना कब्जा जमा लिया है। लिवरपूल ने इससे पहले माहरेज ने 53वें मिनट में बाक्स के सेंटर से शाट मारकर गोल दागा और मैनचेस्टर सिटी को बढ़त दिलाई। इसके बाद फिल फोडेन ने माहरेज के पास पर 65वें मिनट में गोल कर सिटी की बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं, बरर्नाडो सिल्वा ने केविन डी ब्रूने के पास पर 82वें मिनट में गोल कर मैनचेस्टर सीटी की बढ़त को मजबूत कर दिया जो अंत तक बरकरार रही। पेरिस, एपी। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लीग-1 मुकाबले में एंजर्स को 3-0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। पीएसजी के लिए इस मुकाबले में लियोन मेसी चोट के कारण नहीं खेले थे। टीम की ओर से कायलियन एमबापे ने 28वें, सगिन्यो रामोस ने पहले हाफ के इंजुरी समय में और मारक्विंहोस ने 77वें मिनट में गोल दागे। मैड्रिड, एपी। करीम बेंजेमा दोनों हाफ में एक-एक पेनाल्टी से चूक गए इसके बावजूद रीयल मैड्रिड ने ओसासुना को 3-1 से हराकर स्पेनिश लीग ला लीगा में खिताब की ओर कदम बढा दिया। रीयल मैड्रिड को अब दूसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड पर 17 अंक की बढत मिल गई है। दोनों टीमों को अब पांच-पांच मैच और खेलने है। बेंजेमा 52वें और 59वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल करने से चूक गए। रीयल मैड्रिड के लिए डेविड अलाबा ने 12वें, मार्को एसेंसियो ने 45वें और लुकस वाजक्वेज ने इंजुरी समय में गोल दागे, जबकि ओसासुना की ओर से आंटे बुदिमिर ने 13वें मिनट में एकमात्र गोल किया। मैनचेस्टर, एपी। मैनचेस्टर युनाइटेड ने एरिक टेन हेग के रूप में नौ साल में पांचवें पूर्णकालिक मैनेजर को अनुबंधित किया है। मैनचेस्टर युनाइटेड ने गुरुवार को एरिक की नियुक्ति की घोषणा की और नीदरलैंड्स का यह कोच सत्र के अंत से 2025 तक टीम के साथ रहेगा। नवंबर में ओले गुनार सोल्सजेयर को बर्खास्त करने के बाद अंतरिम मैनेजरों ने टीम का मार्गदर्शन किया। पहले माइकल केरिक ने यह जिम्मेदारी संभाली, जबकि अभी राफ रांगनिक यह भूमिका निभा रहे हैं।

आरा से आजमगढ़ तक क्रांतियुद्ध के नायक कैसे बने वीर कुंवर सिंह

आम तौर पर लोग जिस अवस्था में खाट पकड़ लेते हैं और अंतिम यात्रा की तैयारी करते हैं, उस अवस्था में बाबू कुंवर सिंह ने तलवार पकड़ी और महासंग्राम किया। बाबू कुंवर सिंह आजादी की पहली लड़ाई के सर्वश्रेष्ठ योद्धा थे, जिन्होंने 80 वर्ष की उम्र में भी अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए। उन्होंने कभी अंग्रेजों के समक्ष घुटने नहीं टेके। हार कर भी हौसला नहीं खोया। वर्ष 1857 की लड़ाई में दानापुर छावनी के बहादुर सैनिकों और भोजपुर के वीर जवानों के साथ बिहार के पटना, सोनपुर, सासाराम, आरा से लेकर उत्तर प्रदेश के बलिया, गाजीपुर, बनारस, आजमगढ़ एवं गोरखपुर तक देश के दुश्मनों से लड़ते रहे और उन्हें पराजित करते रहे। आजमगढ़ में उन्होंने अंग्रेजों को दो-दो बार हराया और उस इलाके को 81 दिनों तक स्वतंत्र रखा। मरने से तीन दिन पहले तक इस वयोवृद्ध स्वाधीनता सेनानी ने दुश्मनों से मोर्चा लिया और मातृभूमि की रक्षा की। जगदीशपुर स्टेट को अंग्रेजों के कब्जे से मुक्त कराया। अंतिम सांस तक बहादुरी से लड़ते हुए अंग्रेजों को परास्त किया। इतिहासकार पंडित सुंदरलाल ने इनकी बहादुरी की चर्चा करते हुए लिखा है, 'कुंवर सिंह क्रांतिकारियों के प्रमुख नेता और वर्ष 1857 के सबसे बहादुर सेनानियों में थे। वृद्ध कुंवर सिंह अपने सफेद घोड़े पर सवार होकर युद्ध भूमि में बिजली की तरह इधर-उधर लपकते-चमकते दिखाई देते थे। बहादुरी ऐसी कि दुश्मन भी उनके कायल हो जाते थे।ऽ अंग्रेज इतिहासकार होम्स ने लिखा है, 'शुक्र है कि क्रांति के समय बाबू कुंवर सिंह 80 वर्ष के वृद्ध थे। अगर नौजवान होते तो काफी पहले ही भारत में ब्रिटिश सत्ता का अंत हो जाता। उस बूढ़े योद्धा की मृत्यु भी विजेता की तरह हुई।ऽ होम्स ने कुंवर सिंह की आखिरी लड़ाई का वर्णन एक चश्मदीद अंग्रेज अधिकारी के हवाले से किया है। उस अधिकारी ने लिखा था, 'मैंने जो देखा, उसे बताते हुए भी शर्म आ रही है। हमारी सेना ने मैदान छोड़कर जंगल की तरफ भागना शुरू

कर दिया। कुंवर सिंह की सेना पीछे से हमें मारती-काटती रही। जनरल लीग्रैंड को गोली लगी। वह मेरे सामने ही तड़प रहा था। करारी हार देखकर हमारे सिख सैनिकों ने विद्रोह कर दिया। हमसे हाथी छीन लिए। हमारे कहार डोलियां रखकर भाग खड़े हुए। ब्रिटिश सैनिक प्यास से परेशान थे। कड़ी धूप के कारण कई ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। चारों तरफ रोने और चीखने के अलावा और कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। वीर सावरकर ने अपनी किताब '1857 का महासमरऽ में इनकी युद्धनीति को छत्रपति शिवाजी की तरह बताया है। उन्होंने लिखा है, 'शिवाजी महाराज के बाद कुंवर सिंह भारत के दूसरे ऐसे बड़े योद्धा थे, जिन्होंने अंग्रेजों से मुकाबले के लिए गुरिल्ला युद्ध नीति का इस्तेमाल किया था। इसके सहारे उन्होंने अंग्रेजों को बार-बार छकाया। कई बार हराया। जब जन्म लिया था, तब भी उनकी मातृभूमि स्वतंत्र थी और 26 अप्रैल 1858 को निधन हुआ तब भी स्वतंत्र थी। फिर भी इस महान योद्धा को उतना सम्मान और इतिहास में वैसा नाम नहीं मिला, जो अन्य को मिला। सवाल उठाया जाता रहा कि कुंवर सिंह ने जवानी में क्यों नहीं अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किया। बुढ़ापा आने पर ही क्यों सचेत हुए। पटना विश्वविद्यालय में प्रोफेसर एवं इतिहासकार जयश्री मिश्रा इसे खारिज करती हैं। वह कहती हैं कि ऐसी बात नहीं है। कुंवर सिंह की जगदीशपुर में बड़ी जमींदारी थी। उन्होंने आजादी की लड़ाई को आजीवन जारी रखा। पहले गुप्त अभियान चला रहे थे। प्रत्यक्ष तौर पर तब आए जब वर्ष 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई। सबसे पहले कुंवर सिंह ने अपनी ताकत जुटाई और फिर परतंत्रता के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जुलाई 1857 में पटना में क्रांतिकारियों के नेता पीर अली को अंग्रेजों ने फांसी पर चढ़ा दिया था। दानापुर (पटना) के सैनिकों ने प्रतिक्रिया में 27 जुलाई 1857 को अंग्रेज सरकार के विरुद्ध विद्रोह कर दिया और सोन नदी को पार करके आरा पहुंच गए। सैनिकों ने कुंवर सिंह के नेतृत्व में जेल तोड़कर कैदियों को आजाद कराया। इसे 'आरा विजयऽ के नाम से जाना जाता है। उसके बाद जगह-जगह घमासान शुरू हो गया। दो अगस्त 1857 को कुंवर सिंह ने बीबीगंज और बिहिया के जंगलों में घमासान युद्ध में अंग्रेजी सेना को चुनौती दी। उन्हें इसमें हार का सामना जरूर करना पड़ा, मगर उनका हौसला नहीं टूटा। कुछ दिनों के बाद ही वह अपने साथियों के साथ रीवा की ओर निकल गए। वहां उनकी मुलाकात नाना फड?वीस से हुई। फिर तात्या टोपे की मदद के लिए बांदा और कालपी की ओर प्रस्थान किया। यह वह समय था, जब कुछ अपने ही लोगों की दगाबाजी के चलते उन्हें कामयाबी नहीं मिली। तात्या की हार के बाद वह लखनऊ आ गए। इसी दौरान बिहार लौटते समय बलिया के मुड़कटवा मैदान में फिर एक बार अंग्रेजों से मुकाबला हुआ। यहां उन्होंने सौ से ज्यादा अंग्रेज सैनिकों को मार गिराया।

शहडोल संभाग में राजस्व सेवा अभियान में सीमाकंन के 734 प्रकरणों का निराकरण 6 तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को कम प्रगति पर जारी होगा कारण बताओं नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। कमिशनर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा द्वारा चलाएं जा रहे राजस्व सेवा अभियान के अंतर्गत 21 मार्च से 21 अप्रैल 2022 तक की अवधि में संभाग के शहडोल जिले में सीमांकन के 170 प्रकरण उमरिया जिले में 379 प्रकरण तथा अनूपपुर जिले में 185 सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। जिसमें उमरिया जिले का 74.12 प्रतिशत, अनूपपुर जिले का 66.15 प्रतिशत एवं शहडोल जिले का 56.54 प्रतिशत है। संभाग की न्यायालय तहसीलदारवार समीक्षा में सबसे कम प्रगति शहडोल जिले के न्यायालय तहसीलदार ब्यौहारी, न्यायालय नायब तहसीलदार बुड़वा, खांड, पपौंध, आखेटपुर, एवं तहसीलदार गोहपारू में अपेक्षाकृत कम प्रगति के निराकरण पाएं जाने पर कमिशन्र ने संबंधित तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को शो-काज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। कमिशन्र कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पखवाडावधि में अपेक्षाकृत उमरिया जिले का प्रतिशत सर्वाधिक है, इसके बाद अनूपपुर एवं शहडोल का क्रम है। ज्ञात हो कि कमिशन्र शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा द्वारा संभाग में राजस्व सेवा अभियान, नगर सेवा अभियान, ग्राम सेवा अभियान, स्वच्छता अभियान, खेल कूद हेतु फुटबाल क्रांति अभियान जैसे अनेक अभियान चलाकर संभाग में शासन की सेवाओं को आमजनता हेतु सुलभ एवं सुगम बनाने के लगातार प्रयास किए जा रहे है। इन अभियानों में जहॉ उत्कृष्ठ कार्य करने वालों को प्रौत्साहित किया जा रहा है वही अपेक्षाकृत कम प्रगति लाने वाले शासकीय सेवाकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। संभाग में शासकीय सेवाओं को बेहतर बनाने एवं आमजन को शीघ्र एवं सुलभ सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कमिशन्र के ये अभियान सार्थक सिद्ध हो रहे है।

युवा एकता सेवा समिति में हुआ प्रदेश अध्यक्ष का अभिनन्दन

(आधुनिक समाचार सेवा)

मेरठ। युवा एकता सेवा समिति संगठन के प्रदेश संरक्षक माननीय ललित चौहान जी के दिशा निर्देश पर मेरठ कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अंकित शर्मा खेडा। का कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश कोर कमेटी कार्यकर्ताओं/ पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए शीघ्र ही कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।वहीं पूर्व प्रदेश प्रमुख सोनू तानिया ने नई कार्यकारिणी के गठन में पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व प्रदेश सचिव राजकुमार जाटव व पूर्व प्रदेश सह संयोजक धर्मेन्द्र सोम व पूर्व प्रदेश मंत्री सुधीर पटेल व युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष राहुल भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।बैठक का संचालन धर्मेन्द्र सोम ने किया।

किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी नाम से एक सप्ताह का विशेष अभियान जनपद में किया जाएगा संचालित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर के निर्देशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर ने जनपद के समस्त किसानों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि ''किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी'' नाम से 25 अप्रैल से 01 मई 2022 तक एक सप्ताह का विशेष अभियान जनपद में चलाया जाएगा, जिसके अन्तर्गत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की फसल बीमा पाठशाला का आयोजन किया जायेगा। पाठशाला के आयोजन में उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता विभाग के ग्राम पंचायत स्तरीय कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पाठशाला में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में जानकारी दी जायेगी साथ ही साथ योजना के महत्व एवं उद्देश्यों से अवगत कराया जायेगा तथा किस प्रकार ऋणी एवं गैर-ऋणी कृषक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ खरीफ 2022 सीजन में प्राप्त कर सकते हैं इससे भी अवगत कराया जायेगा। ऋणी किसान वह किसान कहलाते हैं जो किसान क्रेडिट कार्ड के रूप में फसल पर बैंक ऋण लेते हैं व गैर ऋणी किसान वह सभी किसान कहलाते हैं जो किसी भी प्रकार का बैंक से फसल ऋण नहीं लेते हैं उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को सरल बनाने के लिए किसानों से खरीफ में 2 प्रतिशत एवं रबी में 1.5 प्रतिशत की दर से बीमित राशि पर प्रीमियम की धनराशि देकर किसान अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। भारत सरकार के द्वारा जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से गैर-ऋणी कृषक फसल बीमा का लाभ कैसे उठायें इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक विशेष अभियान जनपद के सभी ग्राम पंचायतों में एक सप्ताह तक चलाया जायेगा। जनपद के जन सुविधा केन्द्र प्रबन्धक एवं बीमा कम्पनी के प्रबन्धक उक्त अभियान के सफल आयोजन के लिए अपने निर्देशन में कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। जिससे इस विशेष अभियान के द्वारा हमारा किसान हमारा अभिमान एवं हर किसान देश की शान नारे को सार्थक किया जा सके। उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

धरा दिवस के दिन द अर्थ पैराडाइज स्कूल के बच्चों ने की दीवार पर पेंटिंग और पर्यावरण को बचाने का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । दा अर्थ पैराडाइज स्कूल के बच्चे वैसे तो पर्यावरण को बचाने के लिए कोई ना कोई मुहिम चलाते रहते हैं, पर इस बार कोरोना को देखते हुए सभी बच्चों ने वाटर टैंक की दीवार पर पेंटिंग बनाई तथा अपने-अपने तरीके से पर्यावरण को सुरक्षित रखने और पर्यावरण को बचाने का संदेश दियाँ स्कूल की प्रधानाचार्य सुषमा अवाना जी ने बताया- हम सभी को अपनी प्रकृति से प्यार करना चाहिए और अपने आसपास सफाई रखनी चाहिएँ हमारे स्कूल के बच्चे हमेशा समाज में बदलाव लाने का कार्य करते रहते हैं, और हम चाहते हैं दूसरे लोग भी हम से प्रेरणा लेकर अपने पर्यावरण, अपनी प्रकृति व अपने जीवन को और अच्छा बनाएँ इस कार्यक्रम में सभी बच्चों ने भाग लिया और तथा सभी अध्यापकों ने उनका सहयोग किया।

धरा दिवस पर युवाओं ने की यमुना नदी की सफाई एवं पौधरोपण कर पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । स्वस्थ पर्यावरण के लिए स्वच्छता जरूरी है इस विचार को मूर्त रूप देते हुए धरा दिवस पर युवाओं ने धार्मिक, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण व बहुपयोगी नदी यमुना की सफाई कर समाज में स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान युवाओं ने नदी किनारे अनेक जगहों पर पर्यावरण के संतुलन के लिए पौधारोपण भी किया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। नोएडा से सुनीता खटाना ने भारतीय संस्कृति में नदियों के पौराणिक महत्व बताते हुए इसे मानव जाति को पवित्र करने वाला बताया। बृज क्षेत्र की आस्था का प्रतीक यमुना नदी को मैला होता देख नव ऊर्जा युवा संस्था के युवाओं ने उसे स्वच्छ करने की ठानी। संस्था के युवाओं ने शुक्रवार सुबह 6 बजे स्वयं यमुना में व्याप्त गंदगी को साफ करना शुरू कर दिया था। कुछ देर में ही कई किलों प्लास्टिक कचरे को नदी से बाहर निकाल दिया गया। युवाओं को साफ-सफाई करता देख आस पास के लोग भी इस मुहिम में जुट गए और युवाओं के साथ मिलकर नदी की सफाई में योगदान दिया। संस्था की तरफ से उपाध्यक्ष संदीप पाठक ने बताया कि भारत सरकार नदियों की सफाई के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इसके लिए हम सभी को भी आगे आना होगा, तभी हमारी नदियाँ पहले की तरह स्वच्छ हो सकेंगी। युवाओं के इस प्रयास की लोगों ने सराहना की। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए संस्था के युवाओं ने 10 पौधे लगाए जिसमें एस्टोनिया आदि के पौधे लगाए। पौधरोपण के दौरान युवाओं ने उनकी देखभाल का संकल्प लिया। इस मौके पर संस्था की तरफ से चंद्रमा मद्धेशिया ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन की सपत्ति हैं, इसे बचाने के लिए सभी आगे आए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष पुष्कर शर्मा जी ने कहा कि शहर में लोग सही ढंग से सांस तक नहीं ले पा रहे हैं, इसका जिम्मेदार कोई एक नहीं बल्कि हम सब हैं। इस स्वच्छता अभियान में सुनीता खटाना, सत्यवान खिलार, दीपक चौधरी, पुष्कर शर्मा, हिमांशू तिवारी, चंद्रमा मद्धेशिया, विवेक श्रीवास्तव, संदीप पाठक, मंगेश त्रिवेदी, विशाल श्रीवास्तव, उदित राणा, आशुतोष कंडवाल, अनुराग पांडेय, अभिषेक सिंह, विशाल कुंद्रा, गगन प्रताप आदि शामिल थे।

भंगेल मार्केट में फर्नीचर की दुकानों में आग लगी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भंगेल मार्केट में गुरुवार रात फर्नीचर की चार दुकानों में आग लग गई। इससे आसपास के क्षेत्र में

अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग की छह गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। हादसे में लाखों रुपये का फर्नीचर जल गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।मुख्य अगिन्शमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि रात करीब दस बजे सूचना मिली थी कि भंगेल मार्केट में फर्नीचर की दुकान में आग लगी है। इसके बाद विभाग की छह गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इससे पहले ही आग भीषण रूप ले चुकी थी। लकड़ी का सामान होने की वजह से आग तेजी से फैलकर चार दुकानों तक पहुंच गई। घनी आबादी का क्षेत्र होने से लोगों में अफरातफरी मच गई। लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी। हालांकि, फोरेंसिक टीम अपने स्तर पर जांच कर रही है। आग की सूचना मिलने के बाद भंगेल मार्केट में दुकान करने वाले सैकड़ों दुकानदार मौके पर पहुंच गए। दुकानदार अपनी दुकान के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। पुलिस ने काफी मशक्कत के दुकानदारों को घटनास्थल से हटाया। बताया जा रहा है कि आग लगने से दुकानों में रखा लाखों रुपये का फर्नीचर जल गया।

दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का लाभ उठाने के लिए दिव्यांग दम्पति कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर सुहास एल0वाई0 के निर्देशों के क्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गौतम बुद्ध नगर लवेश कुमार सिसौदिया ने जनपद के समस्त दिव्यांग दंपतियों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत ऐसे दिव्यांगजन जिनका विवाह 01 अप्रैल 2021 के बाद हुआ हो वे दिव्यांग दंपति उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल प्ूज्// ग्र्न्र्ब्हुर्रेह.ल्ग्ेुदन.ग्ह पर स्वप्रमाणित कर अपना ऑनलाइन आवेदन अपलोड करके, हार्ड कॉपी समस्त दस्तावेजों सहित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर में जमा करा सकते हैं। उन्होंने उक्त योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना पूर्णता ऑनलाइन है तथा ऐसे दिव्यांग दंपत्ति द्वारा आवेदन किया जाएगा, जिनका विवाह 1 अप्रैल 2021 के बाद हुआ हो, उक्त योजना के तहत दंपत्ति में युवक के दिव्यांग होने की दशा में 15000 रूपये व युवती के दिव्यांग होने की दशा में 20000 रूपये तथा पति व पतनी दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35000 की एकमुश्त धनराशि पति पतनी दोनों के संयुक्त खाते में भेजी जाएगी। उन्होंने पात्रता के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया कि दिव्यांगता प्रदर्शित करता हुआ नवीनतम संयुक्त फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, दंपत्ति में से कोई भी आयकर दाता न हो, युवक व युवती का आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्मतिथि तिथि का अंकन हो, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त बैंक खाता पासबुक, निवास का प्रमाण पत्र, युवक व युवती के आधार कार्ड व वोटर आई0डी0 की छाया प्रति, शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो तथा युवती की आयु 18 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो।शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकतें है।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

राज्यों की रैंकिंग में उत्तर प्रदेश लॉजिस्टिक्स की सुलभता में छठे स्थान पर पहुँचा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। व्यावसायिक युग में उत्पादों को शीघ्रता से उपभोक्ताओं तक पहुचाना सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। इससे जुड़े सभी लोगों को लाभ होता है। उ0प्र0 सरकार ने इस कार्य में बड़ा सराहनीय कार्य किया है। विगत तीन वर्षो में व्यवसाय में सहजता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) में 12 स्थानों का अभूतपूर्व सुधार करते हुए भारत में दूसरा रैंक प्राप्त करने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के अनवरत प्रयासो के परिणामस्वरूप अब उत्तर प्रदेश ने लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (लीड्स) (लॉजिस्टिक्स की सुलभता) में दो वर्षों में 7 स्थानों का उल्लेखनीय सुधार करते हुए देश स्तर पर 6वां रैंक प्राप्त किया है। लीड्स 2021 सर्वेक्षण में यह किसी भी राज्य द्वारा सबसे ऊंची छलांग है और उत्तर प्रदेश को 'शीर्ष सुधारकर्ता' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। पांच के पैमाने पर 3.25 के स्कोर के साथ उत्तर प्रदेश ने अवस्थापना सुविधाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता, लॉजिस्टिक्स सेवाओं की उपलब्धता तथा विश्वसनीयता, परिचालन एवं नियामक वातावरण आदि के मापदंडों पर अपने प्रदर्शन में जबरदस्त सुधार किया है। यह प्रदेश सरकार के सक्रिय संचालित निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए लॉजिस्टिक्स के विकास हेतु किए गए उपायों का परिणाम है। राज्य सरकार द्वारा यूपी इन्वेस्टर्स समिट-2018 के दौरान इस क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक नीति घोषित की थी। इस नीति के अंतर्गत ब्याज सब्सिडी, भूमि उपयोग और विकास शुल्क में छूट, स्टाम्प शुल्क एवं इलेक्ट्रीसिटी ड्यूटी में छूट तथा कौशल विकास सब्सिडी सहित अनेक आकर्षक प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है तथा लॉजिस्टिक्स में संचालन की लागत को कम करके उत्तर भारत में लॉजिस्टिक्स में निवेश के लिए प्रदेश को एक अनुकूल गंतव्य स्थापित किया है। प्रदेश में लॉजिस्टिक्स के समग्र विकास हेतु राज्य सरकार ने एक व्यापक एकीकृत राज्यस्तरीय लॉजिस्टिक्स योजना विकसित की है। इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा सम्पूर्ण राज्य में निर्यात केंद्रों को लाभ पहुंचाने के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी और कागी परिवहन सुनिश्चित करने का अच्छा प्रबन्धन रहा। उद्योगों की सुविधा हेतु आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) और भण्डारण (वेयरहाउसिंग) सुविधाओं के विकास के लिए अपर मुख्य सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय लॉजिस्टिक्स प्रकोष्ठ (सेल) तथा लॉजिस्टिक्स योजना की प्रगति और कार्यान्वयन के अनुश्रवण के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक राज्यस्तरीय लॉजिस्टिक्स समन्वय समिति का गठन किया गया है। लॉजिस्टिक्स सेक्टर के विकास हेतु अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा उत्तरी, पूर्वी एवं पश्चिमी आर्थिक केंद्रों के निकट होने के कारण उत्तर प्रदेश को अप्रतिम लाभ प्राप्त है। सुदृढ़ रेल एवं रोड नेटवर्क के साथ 'एक्सप्रेसवेज के राज्य' में लॉजिस्टिक्स सेक्टर का भविष्य उज्ज्वल है। दिल्ली-मुंबई इण्डस्ट्रियल कोरिडोर (डी0एम0आई0सी0) का 8.5 प्रतिशत तथा अमृतसर-कोलकाता इण्डस्ट्रियल कोरिडोर (डी0एम0आई0सी0) का 57 प्रतिशत आच्छादित क्षेत्र उत्तर प्रदेश में है, जिसमें लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए प्रदेश हेतु अनेक अवसर हैं। इन दोनों कोरिडोर का जंक्शन ग्रेटर नोएडा में है, जिससे यह उत्तरी भारत में सबसे बड़ा लॉजिस्टिक हब बन गया है। ग्रेटर नोएडा के जेवर में भारत के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास से राज्य के लाभ में वृद्धि होगी। राष्ट्रीय जलमार्ग-1 के साथ राज्य मे बनाए गए वायु, जल, सड़क एवं रेल नेटवर्क का कनेक्टिविटी तंत्र उद्योगों एवं विनिर्माण इकाइयों को परिवहन के विभिनन्न माध्यमों का निर्बाध रूप आवश्यकतानुसार उपयोग करने में मदद करेगा, क्योंकि वे अपने उत्पाद भारत एवं विदेशों के बाजारों में भेजते हैं। लीड्स 2021 की रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्तर प्रदेश में अधिकतम कोल्ड स्टोरेज की क्षमता के 39.84 प्रतिशत अंश के साथ सबसे अधिक संख्या में रेलवे गुड शेड्स (689) और कोल्ड स्टोरेज (2406) हैं। उ0प्र0 में लॉजिस्टिक्स में प्रशिक्षित व्यक्तियों की उच्चतम संख्या के साथ प्रशिक्षण केंद्रों की अधिकतम संख्या है। चूंकि उत्तर प्रदेश भारत सरकार की गतिशक्ति अवस्थापना योजना के माध्यम से एकीकृत बुनियादी ढांचे के विकास को सहकारी संघवाद (कोऑपरेटिव फेडरलिज्म) को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानता है, अतः लीड्स में राज्य का उच्च प्रदर्शन उत्तर प्रदेश द्वारा नये भारत के निर्माण को सशक्त करने में योगदान का प्रमाण है।

महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 20 थानाक्षेत्र के निठारी गांव में एक महिला ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि मृतका का पति के साथ विवाद हुआ था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर 31 स्थित निठारी गांव में उल्टी नाम की महिला परिवार के साथ रहती थी। महिला ने शुक्रवार को घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय महिला का पति घर पर नहीं था। मृतका के मकान मालिक ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच में पता चला है कि पति-पतनी के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। आशंका है कि इसी के चलते महिला ने आत्महत्या की है। हालांकि, पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है। वहीं, थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-9 में रहने वाली प्रियंका नाम की एक युवती ने मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

अखंड मानस का समापन एवं भंडारा आज.........

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। सतीश तिवारी की माता स्वर्गीय कमलादेवी तिबारी पतनी स्वर्गीय श्रीसुन्दरलाल तिवारी निबासी बसस्टैंड के पास बार्डक्र - 07 देवी मंदिर रोड़ ब्योहारी जिला शहडोल का देहांत कोरोनाकाल में 4 मई 2021 को पाजिटिव होने से मेडिकल कालेज शहडोल में हो गया था। जिनके बार्षिक श्राद्ध पर रामचरित मानस का अखंड पाठ एवं हवन भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें गुरुवार को अखंड मानस पूजा-पाठ के साथ प्रारंभ हुई 22 अप्रैल शुक्रवार को अखंडमानस विराम, हवन, तर्पण, वर्षी, भोज, भंडारे का कार्यक्रम आयोजित है।

चालक ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर-46 स्थित गार्डनिया हाउसिंग सोसाइटी के सामने शुक्रवार को चलती एक्सयूवी कार में आ लग गई। चालक ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। एक्सयूवी कार चालक ग्रेटर नोएडा से नोएडा की तरफ जा रहा था। जब वह सेक्टर-46 स्थित गार्डनिया हाउसिंग सोसायटी के सामने पहुंचा तो अचानक कार के एसी के पास स्पार्किंग हुई। इसी दौरान अचानक कार में आग लग गई। चालक ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी गई। विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि, हादसे में कार पूरी तरह जल गयी।

अंसार के पास हैं दर्जनों बैंक खाते, करोड़ों का होता है लेन-देन

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी हिंसा के मामले में मुख्य आरोपित अंसार एक दर्जन से अधिक बैंक खातों को संचालित कर रहा था। इन बैंक खातों में अधिकतर ऐसे बैंक खाते भी दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आए हैं जो अंसार के नाम पर नहीं हैं लेकिन उन बैंक खातों में पैसों की लेन-देन अंसार ही करता है। इन बैंक खातों में करोड़ों में लेन देने की बात आई है। मामले को लेकर जांच कर रही क्राइम को आशंका है कि बैंक खातों में आई रकम कहीं न कहीं किसी संगठन आदि से जुड़ा है। अंसार की अकूत संपत्ति को देख कर पुलिस इस बात की भी आशंका जता रही है कि अंसार नकली भारतीय नोटों की तस्करी से भी तो नहीं जुड़ा हुआ है क्योंकि बंगाल में जहां पर अंसार का घर वह नकली नोटों की तस्करी के लिए भी जाना जाता है। इन्हीं सब चीजों को ध्यान रख कर दिल्ली पुलिस ने अंसार के काले कारनामों द्वारा जुटाई गई संपत्ति की जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय को पत्र लिखा था।

राशिफल

मेष-: व्यावसायिक सफलता के लिए सतत परिश्रम व समर्पण आवश्यक है। कुछ समय के लिए व्यावसायिक अस्थिरता व भावनात्मक असुरक्षा महसूस कर सकते हैं।

वृष-: कुछ अहम घटनाक्रम जीवन में बड़े परिवर्तन लाएंगे। अर्थहीन हो चुके पुराने तौर-तरीकों को छोड़कर नई शुरुआतें करने का समय है।

मिथुन-: कार्यस्थल पर रचनात्मकता व कौशल का प्रदर्शन करेंगे। निजी जीवन में नए अनुभव उत्साह का संचार करेंगे। भौतिक पहलुओं पर ध्यान दें।

कर्क-: स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित हो सकते हैं। घर व कार्यस्थल पर आकर्षण का केंद्रबिंदु रहेंगे।

सिंह-: व्यावयायिक जीवन में विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे व प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। व्यावसायिक अवसरों व आमंत्रण के कारण यात्रा का योग बन सकता है।

कन्या-: तीन खास लोगों के साथ आनंद के क्षण साझा करेंगे। निज स्वातंत्र्य के साथ किसी संबंध को विस्तार मिलेगा। पेशेवर जीवन में अहम अवसर प्राप्त होगा।

तुला-: पेशेवर जीवन में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर दो पृथक गतिविधियों के संचालन से लाभ अर्जित करेंगे। जीवन में सभी चीजें व्यवस्थित प्रतीत होंगी।

वृश्चिक-: अप्रत्याशित रूप से नए अवसर निर्मित होंगे, उन्हें स्वीकार कर सकते हैं। पारिवारिक आयोजनों में सभी के प्रति स्नेहिल रहेंगे।

धनु- जीवन से जुड़े मामलों के प्रति यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाएं। भौतिक व आर्थिक पहलुओं के साथ ही पीठ पीछे होने वाली राजनीति पर ध्यान देना

मकर-: भावुकता का अतिरेक चीजों को उनके वास्तविक रूप में देखने से रोकेगा। निणर्य लेने से पहले दिल व दिमाग दोनों की सुनें।

कुंभ-: ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हुए व्यावहारिक, भौतिक व आर्थिक मामलों को हल करेंगे। भूमि, संपत्ति व घर में निवेश के लिए अच्छा समय है। स्वास्थ्य समस्याएं हल होंगी।

मीन-: किसी पूर्व योजना व तैयारी के बगैर अज्ञात की ओर कदम बढ़ाएं। उसके रोमांच को महसूस करें। आपके आस-पास प्रत्येक चीज सकारात्मक रूप में परिवर्तित होती हुई प्रतीत होगी।

छात्र-छात्राओं को दिलाई गई पर्यावरण संरक्षण की शपथ

सोनभद्र । जिले में पृथ्वी दिवस शुक्रवार को मनाया गया। इस दौरान विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम हुए। हिण्डाल्को से संचालित आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कालेज रेणुकूट में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हरित शपथ लिया। इको क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य दयानंद शुक्ल का इको क्लब प्रभारी शिक्षिका मीरा जायसवाल ने स्वागत किया। वरिष्ठ शिक्षक केशभान राय व जलज मालवीय ने पृथ्वी दिवस पर विचार रखे। प्रधानाचार्य ने सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने, उसे संरक्षित करने व पृथ्वी को सदैव हरा-भरा रखने को कहा। संचालन व धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका डा. स्मिता सिंह ने किया। इस आयोजन में इको क्लब के सदस्यों, शिक्षक सत्येंद्र सिंह, प्रिय रंजन सिंह, राज कुमार यादव, रितेश यादव आदि रहे। घोरावलः क्षेत्र के ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर चित्र और निबंध प्रतियोगिता हुई। शुक्रवार को हुई प्रतियोगिता के पूर्व छात्रों को बताया गया कि पृथ्वी पर कार्बन के उत्सर्जन को हर हाल में कम से कम करना होगा। जितना कार्बन उत्सर्जन होगा उतना ही हमारे पर्यावरण के लिए हानिकारक है। प्रदूषण और हमारी पृथ्वी नामक विषय पर निबंध और चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 80 छात्रों ने प्रतिभाग किया। सीनियर

में चित्रकला में सौम्या सिंह, निबंध में अभिषेक कुमार प्रथम रहे। जूनियर चित्रकला में प्रथम जाह्नवी पाण्डेय, निबंध में रविशंकर को प्रथम स्थान मिला। इस अवसर पर ग्रीन फील्ड ट्रस्ट आफ भारत के प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार पाण्डेय, मूलचंद त्रिपाठी, अजय दुबे, ऋषिकेश सिंह, राजेश कुमार, अंबुज वर्मा, अब्दुल्लाह, चंदो पाण्डेय, सीमा पांडेय, शिखा चौबे आदि रहीं।

चार करोड़ से होगा क्षेत्र पंचायत का विकास

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज ब्लाक सभागार में गुरुवार को क्षेत्र पंचायत की हुई बैठक में चार करोड़ की कायचोजना प्रस्तावित हुई। क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र के विकास के लिए प्रस्ताव दिया। इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी राब?ट्सगंज उमेश सिंह ने पिछले वित्तीय वर्ष में क्षेत्र पंचायत से हुए कायी का ब्यौरा सुनाया। बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 व 2021-22 में कुल 10740 पीएम आवास दिए गए हैं। वहीं 904 सीएम आवास दिए गए हैं, जिसमें 98 प्रतिशत आवास पूर्ण ही चुके हैं। बीडीओ ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में मनरेगा से कुल 654593 मानव दिवस सृजन का लक्ष्य रखा गया है। इसमें अप्रैल के लक्ष्य 31463 मानव दिवस है, जिसमें अब तक लगभग 12 हजार मानव दिवस का ही कार्य हुआ है। इस दौरान ग्राम प्रधान व बीडीसी ने क्षेत्र के विकास का मुद्दा उठाया। ग्राम प्रधानों ने पिछले आठ माह से मनरेगा मजदूरी भुगतान न होने की बात कही। वहीं बीडीसी सदस्यों ने क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाने की बात कही। क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने पेयजल समस्या को भी उठाया तथा सभी ग्राम पंचायतों में आबादी के अनुसार टैंकरों की संख्या बढ़ाकर पेयजल की आपूर्ति कराए जाने की मांग की। इस दौरान तियरा नायक के बीडीसी सदस्य के निधन पर रख शोक संवेदना व्यक्त की गई। इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश शुक्ल, अनूप तिवारी, एडीओ पंचायत कृपाशंकर शुक्ल, ओमप्रकाश सहित प्रधान व बीडीसी सदस्य मौजूद रहे।

१३१० मेगावाट की तीन इकाइयों से विद्युत उत्पादन ठप

अनपरा (सोनभद्र) ।प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी में बढ़ रही बिजली की मांग के बीच अनपरा से उत्पादित होने वाली तीन इकाइयों से विद्युत उत्पादन ठप हो गया है। 1310 मेगावाट का विद्युत उत्पादन बंद होने से ऊर्जा शीर्ष

प्रबंधन काफी सकते में है। ब्वायलर ट्यूब लीकेज होने के कारण अनपरा अ परियोजना की 210 मेगावाट क्षमता की तीसरी इकाई एवं 500 मेगावाट क्षमता की अनपरा ब परियोजना की पहली इकाई से विद्युत उत्पादन ठप है, जबकि लैंको परियोजना की 600 मेगावाट की दूसरी इकाई गत दो दिनों से बीटीएल के कारण बंद चल रही हैं। अनपरा की दो इकाइयां बंद होने से लैंको की इकाई को उत्पादनरत करने के लिए युद्धस्तर पर कवायद जारी है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि रात तक इस इकाई को उत्पादनरत कर लिया जाएगा। अनपरा की ज्यादातर इकाइयों का समय से अनुरक्षण नहीं कराए जाने के कारण तकनीकी खराबी से बंद होने की संभावना बनी रहती है। विद्युत इकाइयों को निरंतर संचालित किए जाने पर बीटीएल होना एक स्वभाविक प्रक्रिया है। बीटीएल से बंद हुई इकाइयां लगभग 72 घंटे में लोड पर पुनः आ जाती हैं। प्रदेश में बिजली की मांग बेतहाशा है। ऐसे में सबसे सस्ती बिजली मुहैया कराने वाले विद्युत संयंत्रों को बंद होने से विद्युत विभाग के समक्ष काफी चुनौती बढ़ गई है। मांग को पूरा करने के लिए महंगी दर पर बिजली खरीदने की विवशता उत्पन्न हो गई है। अनपरा समेत प्रदेश की अन्य विद्युत संयंत्रों को फूल लोड पर संचालित किए जाने से शुक्रवार को निगम का उत्पादन चार हजार मेगावाट के ऊपर बना रहा। प्रदेश में गुरुवार को बिजली की अधिकतम मांग 20346 मेगावाट तथा न्यूनतम मांग गुरुवार के सापेक्ष 500 मेगावाट घटकर 16882 मेगावाट के आसपास बना रहा। अनपरा अ परियोजना से 332 मेगावाट, ब परियोजना से 475 मेगावाट, डी परियोजना से 958 मेगावाट तथा लैंको परियोजना से 508 मेगावाट बिजली ग्रिड को दी गई।

सात स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित वेतन रोकने का निर्देश

म्योरपुर (सोनभद्र) । मुख्य विकास अधिकारी डा. अमित पाल शर्मा ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र म्योरपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान सात स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित रहे। सीडीओ ने सभी का वेतन रोक दिया और मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्वास्थ्य कर्मियों में अफरा-तफरी मची रही। सीडीओ ने सबसे पहले उपस्थित पंजिका की जांच की। इसमें एएनएम, बीसीपीएम, लैब टैकनेशियन सहित सात स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित मिले। इसके बाद उन्होंने ओपीडी कक्ष, दवा वितरण कक्ष, दवा संग्रह कक्ष, टीकाकरण कक्ष, इंजेक्शन कक्ष, भर्ती वार्ड, डाट्स सेंटर, आईसीटीसी सेंटर, मलेरिया जांच कक्ष, प्रसव कक्ष आदि का निरीक्षण किया। वहीं जांच के दौरान अस्पताल परिसर और शौचालयों में गंदगी देख गहरी नाराजगी जताते हुए संबंधितों को जमकर फटकार लगाई। मौजूद चिकित्सक डा. शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि यहां पर सफाई कमिर्यों की कमी है। इस पर सीडीओ ने सफाई कमिर्यों की संख्या बढ़ाने की बात कही। प्रसव कक्ष की जांच के दौरान महिला चिकित्सक की नियुक्ति और आवश्यक उपकरणों की कमी की भी बात स्वास्थ्य कमिर्यों द्वारा बताई गई जिनका लिस्ट बनाकर जल्द ही उपलब्ध होने का आश्वासन दिया। आशा कार्यकत्रियों को मिलने वाले मानदेय की भी जानकारी संबंधितों से ली। इससे पूर्व सीडीओ ने म्योरपुर ब्लाक परिसर में निर्माणाधीन ईएचआर बिल्डिग का भी निरीक्षण कर संबंधितों को तमाम निर्देश दिए। मौके पर डीपीआरओ विशाल सिंह, डीपीओ अजीत सिंह, बीडीओ म्योरपुर नीरज तिवारी, एडीओ पंचायत रविदत्त मिश्रा, डा. राजन सिंह पटेल, विरेंद्र कुमार, उमाशंकर पांडेय, हरिगेंद, संतू समेत तमाम स्वास्थ्य कर्मी रहे। सीडीओ ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत पड़री का दौरा किया और ग्रामीणों से रूबरू होकर मिलने वाली मूलभूत बाबत जानकारी ली। उन्होंने पड़री ग्राम पंचायत के कमरीडाड़, तीनपहरी, बोदराडाड़, लोटान, कोइलरगड़ई टोले के ग्रामीणों से पानी की समस्या, स्वास्थ्य सुविधाएं,नरेगा में मिलने वाले काम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ग्राम प्रधान को रोजाना टैंकर से जलापूर्ति करने का निर्देश दिया। साथ ही गांव में खराब पड़े हैंडपंपों को ठीक कराने को कहा। इस दौरान उन्होंने बराईडाड़ में बन रहे जूनियर हाईस्कूल तथा रेन हार्वेस्टिग का भी निरीक्षण किया।

100 खराब विद्यालयों का 10 टीमों ने किया निरीक्षण

सोनभद्र । बेसिक शिक्षा विभाग ने जिले के प्रत्येक ब्लाकों में 10-10 खराब विद्यालयों को चिन्हित किया है। इन खराब विद्यालयों के लिए ब्लाक

स्तर पर 10 टीम गठित की गई है, जो विद्यालयों का निरीक्षण कर वहां की खराब स्थिति में सुधार के लिए प्रयास शुरू करेंगी। इसके तहत गठित टीम ने शुक्रवार को विद्यालयों का निरीक्षण किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार ने म्योरपुर ब्लाक के विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अध्यापकों को नियमित रूप से उपस्थित होने समेत विद्यालय की दशा में सुधार का निर्देश दिया। मुख्य विकास अधिकारी डा. अमित पाल शर्मा ने की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए 10 अधिकारियों की टीम गठित किया और उन्हें ब्लाकवार विद्यालयों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। इस क्रम में शुक्रवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार ने म्योरपुर, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने करमा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजीत सिंह ने कोन, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ने चोपन, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी ने राब?ट्सगंज ब्लाकों के खराब विद्यालयों का निरीक्षण किया। इसी तरह बभनी, चतरा, घोरावल, नगवां ब्लाक के विद्यालयों का भी नोडल अफसरों ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अपनी जांच रिपोर्ट सीडीओ को सौंपा है। सीडीओ ने इन अधिकारियों से समन्वय करते हुए निरीक्षण से संबंधित आख्या प्राप्त करने के लिए अपर जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश सिंह को नोडल अधिकारी नामित किया है, जो विकास भवन में कंट्रोल रूम खोलकर अनुश्रवण करेंगे। इस संबंध में बीएसए ने बताया कि खराब विद्यालय चिन्हित कर उनकी दशा में सुधार के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

आटो-बाइक की टक्कर में नर्तकी सहित दो की मौत

सोनभद्र। पनूनांज थाना क्षेत्र के सुभांव गांव में राब?ट्सगंज-खलियारी मार्ग पर शुक्रवार की सुबह बाइक से टकराने के बाद आटो पलट गया। इस हादसे में आटो सवार नर्तकी पायल (25) के साथ ही बाइक सवार युवक इंद्रजीत (24) निवासी भरहुआ थाना रायपुर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जिले की सीमा से सटे चंदौली के सोनवार गांव में गुरुवार की रात एक विवाह समारोह था। इसमें शामिल होकर आर्केस्ट्रा कलाकार आटो से शुक्रवार की सुबह लौट रहे थे। पनूनांज थाना क्षेत्र के सुभांव गांव के पास आटो की सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। इस हादसे में आटो सवार कलाकारों के साथ ही बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी

घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तियरा भेजवाया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में पहुंचने से पहले ही इंद्रजीत की मौत हो गई। उधर, अस्पताल में नर्तकी पायल, सतीश (22) निवासी तेलाड़ी, प्रिशू (17) को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान पायल ने दम तोड़ दिया। स्वजन में कोहराम मचा रहा।

जनपद में विश्वविद्यालय बनाए जाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। दिन गुरुवार सोनभद्र नवनिर्माण सेना के तत्वावधान में संरक्षक पूर्व छात्र संघ महामंत्री अनिकेत श्रीवास्तव व नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल के द्वारा जिलाधिकारी से मिलकर जनपद में राज्य विश्वविद्यालय बनवाए जाने की मांग रखी गई। इस दौरान नवनिर्माण सेना के संरक्षक अनिकेत श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा जिला सोनभद्र एक अति पिछड़ा व आदिवासी बाहुल्य जिला है जहां दूर दराज़ से हज़ारों बच्चे सनतक की शिक्षा ग्रहण करने मुख्यतः जिले के प्रमुख शैक्षिक संस्थान राजकीय सनतकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में आते हैं। महाविद्यालय के पास विश्वविद्यालय बनाए जाने योग्य पर्याप्त जमीन भी है जो कई एकड़ में फैली है। और कहा कि हमारा जिला राजस्व देने के मामले में तो बहुत ही आगे है परंतु शिक्षा और शैक्षिक संस्थानों के अभाव में सोनभद्र

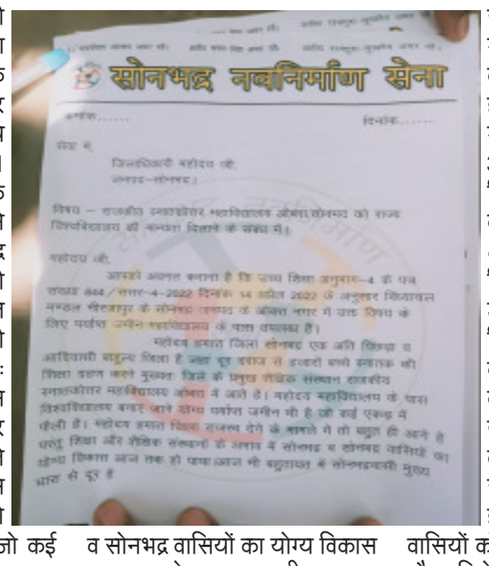

में सोनभद्रवासी मुख्य धारा से दूर है। इस दौरान नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने जिलाधिकारी से आग्रह किया कि सोनभद्र में एक राज्य विश्वविद्यालय की अनिवार्यता को समझते हुए राजकीय सनतकोत्तर महाविद्यालय ओबरा,सोनभद्र को राज्य विश्वविद्यालय बनवाने की कृपा करें। और कहा कि क्षेत्रफल के मामले में हमारा जिला बहुत ही फैला हुआ जनपद है और यहां विश्वविद्यालय बनाने योग्य बहुत सी जमीनें ग्राम पंचायतों व नगर पंचायतों के पास है। यदि विध्याचल मंडल में बनने वाला राज्य विश्वविद्यालय सोनभद्र में बनता है तो इससे बहुतायत सोनभद्र वासियों को मुख्य धारा से जुड़ने का मौका मिलेगा। व सोनभद्र वासियों का योग्य विकास आज तक हो पाया।आज भी बहुतायत

जल निगम की मोटर जलने से प्रभावित है पानी की आपूर्ति

बीजपुर (सोनभद्र)। गर्मी बढ़ते ही ग्रामीण अंचल में पीने के पानी की समस्या विकराल होती जा रही है। पाताल का जल स्तर खिसक जाने से हैंडपंपों ने जल उगलना छोड़ दिया। पिछले तीन

दिनों से बीजपुर पुनर्वास प्रथम में जल निगम की मोटर जल जाने के कारण पानी की आपूर्ति प्रभावित है। क्षेत्र में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। ग्रामीण संजय गुप्ता ने बताया कि आस पड़ोस में कोई हैंडपंप भी चालू नहीं है। सभी रिबोरिग के अभाव में बंद पड़े हुए हैं। ग्राम प्रधान द्वारा पानी का एक टैंकर जरूर चलाया जा रहा है, लेकिन यह नाकाफी है। टैंकर का पानी पीने योग्य भी नहीं होता, मजबूरी में पीना पड़ रहा है। पुनर्वास स्थित कंपोजिट विद्यालय में भी पीने के पानी की समस्या खड़ी हो गयी। बच्चों को स्कूल में लगे हैंडपंप का पानी पीना पड़ रहा है, जो एकदम दूषित है। यही हालत बीजपुर बाजार की है, यहां भी जल निगम की बोरिग का पानी खिसकता जा रहा था, जिससे स्थानीय निवासियों के लिए पानी की तंगी होने लगी तो बाजार के सब्जी मंडी स्थित कुएं में मोटर लगा पानी की सप्लाई देनी पड़ी। वहीं नेमना गांव में भी पीने के पानी की समस्या खड़ी है। जलस्तर कम होने की वजह से हैंडपंपों ने पानी उगलना बंद कर दिया है। ग्राम प्रधान बीजपुर दशमती गुप्ता ने बताया कि पुनर्वास स्थित जलनिगम की मोटर जल गयी थी जिसको बनवा दिया गया है, एक दो दिन में पानी की सप्लाई सुचारु रूप से शुरू हो जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में जलने से महिला की मौत

घोरावल (सोनभद्र) । स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के हिनौती गांव में इंद्रावती (33) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इंद्रावती के पति नंदकिशोर के मुताबिक होली के दिन इंद्रावती जल गई थी, जिसका उपचार चल रहा था। गुरुवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक करीब 14 वर्ष पहले इंद्रावती का विवाह नंदकिशोर के साथ हुआ था। गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत ससुराल में हो गई। इधर, दूसरी तरफ मायके पक्ष से मृतका के पिता सीरी ने पुत्री को जहर देकर मारने का आरोप ससुराल पक्ष पर लगाया है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

अधिशासी अभियंता व कनिष्ठ सहायक समेत चार कर्मचारी मिले अनुपस्थित

मीरजापुर । शासन के निर्देश पर कार्यालयों में कार्यावधि तक अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के ष्टिगत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिवप्रताप शुक्ल ने शुक्रवार अपराह्न साढ़े चार बजे सिचाई विभाग पहुंचकर एक्सईएन सिरसी प्रखंड सिचाई कैनाल डिवीजन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सिरसी प्रखंड में कनिष्ठ सहायक कृष्णा नंद यादव अनुपस्थित पाए गए। वरिष्ठ सहायक ने बताया कि सरकारी कार्य से किसी अन्य डिवीजन में गए हैं। जबकि भ्रमण पंजिका पर कुछ अंकित नहीं था। सिचाई एमसीडी डिवीजन के उपस्थिति रजिस्टर के निरीक्षण के समय अधिशासी अभियंता वैभव सिंह अनुपस्थित रहे।

महिला ने मायके में फांसी लगाकर दी जान

विंढमगंज (सोनभद्र) । थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घिवही में शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे सोना देवी (32) निवासी अमवार ने मायके में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मृतका सोना देवी के पिता रामलगन राम ने थाने को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उन्होंने अपनी पुत्री की शादी अमवार गांव निवासी कमलेश राम से की थी। बीते गुरुवार को पति-पत्नी में झगड़ा हो गया था इस पर उसकी पत्नी मौके पर अमवार जाकर मामले को जानने का प्रयास की थी। अमवार चौकी पर जाकर पति पत्नी के झगड़े को पुलिस के माध्यम से समझा-बुझाकर शांत कराया गया था। रामलगन ने बताया कि बीते गुरुवार को ही देर शाम करीब पांच बजे उसकी पत्नी उसकी पुत्री सोना को लेकर घिवही गांव

में चली आई थी। शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे साड़ी के फंदे से घर के बडेर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतका के चार बच्चे शव से लिपट कर फूट-फूटकर रो रहे थे। इससे मौजूद ग्रामीणों के भी आंखें नम हो गईं। वही एसआई अरशद खान शव का पंचनामा कराने के पश्चात अंत्य परीक्षण हेतु भेज अग्रिम कार्रवाई में जुट गए।

ओबरा इंटर कालेज में प्रवेश बंद करने पर आक्रोश.....

ओबरा (सोनभद्र) । प्रदेश के सबसे बड़े परिसर वाले विद्यालयों में एक ओबरा इंटरमीडिएट कालेज को निजी हाथों में सौंपने की कवायद के बीच प्रवेश पर रोक लगाने के मामले ने बड़े आक्रोश को पैदा कर दिया है। गुरुवार को छात्रों सहित कई संगठनों के पदाधिकारियों ने कालेज परिसर में प्रदर्शन कर प्रधानाचार्य विजय कुमार का घेराव किया। आक्रोश को देखते हुए परिसर में पहुंचे चौकी इंचार्ज राकेश राय के आश्वासन पर छात्रों ने दो दिनों तक आंदोलन को स्थगित किया है। दरअसल, कालेज में नए छात्रों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। गुरुवार को कालेज गेट पर आक्रोशित छात्रों ने थाली पीटकर निगम प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। इस दौरान ओबरा पीजी कालेज के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अमरेश यादव ने कहा कि ओबरा सहित बिल्ली, खैरटिया, बदिच्या, चकाड़ी, भलुआ टोला, रेक्सहवा टोला, बाड़ी, गड़ई डीह, सिदुरिया, गुड़र, कड़िया, परसोई, फफराकुंड, कर्री, ओबरा गांव सहित 50 से ज्यादा टोलों के जरूरतमंदों बच्चों की शिक्षा दीक्षा ओबरा इंटरमीडिएट कालेज पर ही निर्भर है। इस विद्यालय में प्रवेश

बंद करना बड़ी साजिश का हिस्सा है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सतीश यादव ने कहा कि कहा कि हिंदी मीडियम के इस विद्यालय के बड़े हिस्से को इंग्लिश मीडियम के निजी संस्थान को पहले ही सौंप दिया गया था। अब पूरे विद्यालय को बंद करने की साजिश कर बिजली प्रबंधन तानाशाही रवैया अपना रहा है। अपना दल (एस) युवा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद पटेल दयालु के नेतृत्व में ओबरा इंटर कालेज के प्रधानाचार्य विजय कुमार को ज्ञापन सौंपा गया।

कोहली के सामने होगी उमरान की रफ्तार, जानें कब और कहां देखें बैंगलोर और हैदराबाद के बीच मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 36वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना रायल चैलेंजर्स बैंगलोर से होगा। एक तरफ जहां हैदराबाद की टीम लगातार चार मैच जीतकर अच्छी लय में नजर आ रही है वहीं कप्तान फाफ डु प्लेसिस के नेतृत्व में आरसीबी की टीम इस सीजन में बदली-बदली सी नजर आ रही है। पिछले मैच में हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को 7 विकेट से हराया था तो वहीं आरसीबी की टीम लखनऊ को 18 रन से हराकर यहां पहुंची है। हैदराबाद फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर है और आरसीबी 10 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर बनी हुई है। यदि आप भी इस मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं। कब होगा सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर बीच ये मैच 23 अप्रैल, शनिवार को होगा सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच ये मैच।कहां खेला जाएगा सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच ये मैच सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच ये मैच ब्रेबोन स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच ये मैच?सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर वेः बीच इस मैच का टास सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा। सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच इस मैच को कहां देख सकते हैं सनराइजर्स हैदराबाद और बैंगलोर के बीच इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स के नेटवर्क या हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा इस मैच से जुड़ी हर खबर को आप आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पढ़ सकते हैं।

बेंगलुरु के बल्लेबाजों को रोकना चाहेंगे हैदराबाद के गेंदबाज

मुंबई। खराब शुरुआत के बाद लगातार चार मैच में जीतने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आइपीएल मैच में शनिवार को जब रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करने के लिए मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे

उसके युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक के सामने दिनेश कार्तिक और फाफ डुप्लेसिस जैसे दिग्गजों को रोकने की चुनौती होगी उमरान ने इस सत्र में अपनी तूफानी गेंदों से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। उनकी तेज गति ने श्रेयस अय्यर जैसे स्थापित बल्लेबाजों को भी परेशान किया है। अनुभवी भुवनेश्वर कुमार के साथ इस 22 साल के गेंदबाज ने शानदार जोड़ी बनाई और दोनों ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में सात विकेट झटककर मैच का रुख मोड़ दिया था। इस दोनों के अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में सनराइजर्स के पास यार्कर-विशेषज्ञ टी नटराजन और दक्षिण अफ्रीका के माकी जेनसेन जैसे प्रभावी गेंदबाज भी हैं। जेनसेन भी अपने कोण और विविधताओं से बल्लेबाजों को परेशान करने में सफल रहे हैं। इन गेंदबाजों के सामने शानदार लय में चल रहे अनुभवी डुप्लेसिस और कार्तिक को रोकने की चुनौती होगी। कप्तान डुप्लेसिस ने लखनऊ सुपरजाइट्स के खिलाफ शीर्षक्रम के लड़खड़ाने के बीच एक बार फिर दमदार पारी खेली। वह चार रन से शतक से चूक गए, लेकिन उनकी पारी से टीम ने 18 रन की शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर कार्तिक लीग में अपने सर्वश्रेष्ठ सत्र का लुत्फ उठा रहे है। अंक तालिका में आसीबी अगर शीर्ष चार में है तो वह इस विकेटकीपर बल्लेबाज की दमदार बल्लेबाजी के कारण है। उन्होंने सात पारियों में 32,14, 44, 7, 34, 66 और 13 रन बनाए हैं और इस दौरान केवल एक बार आउट हुए है। इन दोनों के अलावा सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल ही आरसीबी के लिए लगातार अच्छी पारियां खेल पाए है। इस मैच में सब की निगाहें पूर्व कप्तान विराट कोहली पर भी होंगी, जो जल्द ही खराब लय से उबरना चाहेंगे। जोश हेजलवुड, मुहम्मद सिराज, हर्षल पटेल और वानिंदु हसरंगा की मौजूदगी में टीम की गेंदबाजी मजबूत है। हैदराबाद की टीम में कप्तान केन विलियमसन और निकोलस पूरन के अलावा बल्लेबाजी में कोई बड़ा नाम नहीं है, लेकिन अभिषेक शर्मा और राहुल त्रिपाठी के अलावा दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करैम ने अब तब के अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। सनराइजर्स हैदराबाद : केन विलियमसन (कप्तान), अभिषेक शर्मा, राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्करैम, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, प्रियम गर्ग, विष्णु विनोद, ग्लेन फिलिप्स, आर समर्थ, शशांक सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रोमेरियो शेफर्ड, माकी जेनसेन, जे सुचित, श्रेयस गोपाल, भुवनेश्वर कुमार, सीन एबाट, कार्तिक त्यागी, सौरभ तिवारी, फजलहक फारुकी, उमरान मलिक, टी नटराजन।

बटलर के जोश के सामने दिल्ली की हुई बोलती बंद

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 34वें मुकाबले में राजस्थान रायल्स का सामना दिल्ली कैपिटल्स के साथ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर हुआ। इस मैच में दिल्ली के कप्तान रिषभ पंत ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला

किया। राजस्थान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जोस बटलर के शानदार शतक की मदद से 20 ओवर में 2 विकेट पर 222 रन का बड़ा स्कोर बनाया और दिल्ली को जीत के लिए 223 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में दिल्ली की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 207 रन बनाए और रिषभ पंत की टीम को 15 रन से हार मिली राजस्थान रायल्स का ये सातवां मैच था और इसमें से 5 मैच जीतकर ये टीम 10 अंक के साथ पहले स्थान पर है तो वहीं दिल्ली की टीम ने सात मैचों में से सिर्फ तीन मैचों में जीत दर्ज की है और 6 अंक के साथ ये टीम अंकतालिका में छठे स्थान पर है। दिल्ली का पहला विकेट डेविड वार्नर के तौर पर गिरा जिन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने 28 रन पर संजू सैमसन के हाथों कैच आउट करवा दिया तो वहीं सरफराज खान को एक रन पर अश्विन ने आउट करके राजस्थान को दूसरी सफलता दिला दी। पृथ्वी शा को आर अश्विन ने 37 रन पर बोल्ट के हाथों कैच करवा दिया। कप्तान रिषभ पंत को प्रसिद्ध कृष्णा ने 44 रन पर आउट कर दिया। अक्षर पटेल को चहल ने एक रन पर बोल्ड कर दिया। शार्दुल ठाकुर 10 रन पर रन आउट हो गए। पावेल ने 15 गेंदों पर 36 रन की पारी खेली और आउट हो गए। राजस्थान की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट लिए और सबसे सफल गेंदबाज रहे। राजस्थान के लिए देवदत्त पडीक्कल और जोस बटलर ने बेहतरीन शुरुआत की और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 155 रन की शतकीय साझेदारी हुई। इस साझेदारी को खलील अहमद ने पडीक्कल को पगबाधा आउट करके तोड़ा। उन्होंने 35 गेंदों पर 2 छक्के व 7 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। बटलर ने इस मैच में 57 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।

जोस बटलर ने लगाया आइपीएल के इस सीजन का तीसरा शतक लगा दी रिकार्ड्स की झड़ी

नई दिल्ली।आइपीएल 2022 के 34वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रायल्स के ओपनर बल्लेबाज जोस बटलर ने शतकीय पारी खेली। बटलर का बेहतरीन फार्म दिल्ली के खिलाफ जारी रहा और उनकी तूफानी बल्लेबाजी को भी देखने को मिली। इस सीजन में बटलर का ये तीसरा शतक रहा तो वहीं आइपीएल में ये उनका चौथा शतक रहा। जोस बटलर ने इस मैच में इस सीजन का तीसरा शतक लगाया। उन्होंने 57 गेंदों पर 8 छक्के और 8 चौकों की मदद से अपने 100 रन पूरे किए। इस सीजन में बटलर ने इससे पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ 100 रन जबकि केकेआर के खिलाफ 103 रन की पारी खेली थी। बटलर ने इस मैच में अपने ओपनिंग पार्टनर देवदत्त पडीक्कल के साथ मिलकर राजस्थान के लिए पहले विकेट के लिए 155 रन की बेहद मजबूत साझेदारी की। इस मैच में बटलर ने 9 छक्के व 9 चौकों की मदद से 116 रन की पारी खेली और ये उनके आइपीएल करियर की बेस्ट पारी भी साबित हुई। जोस बटलर का आइपीएल में ये चौथा शतक था और उन्होंने डेविड वार्नर और शेन वाटसन की बराबरी कर ली है जिन्होंने इस लीग में चार-चार शतक लगाए हैं। वहीं आइपीएल में सबसे ज्यादा शतक क्रिस गेल के नाम पर है जिन्होंने छह जबकि कोहली के नाम पर पांच शतक दर्ज हैं। आइपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में जोस बटलर दूसरे नंबर पर आ गए हैं। आइपीएल में एक सीजन में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकार्ड विराट कोहली के नाम पर है जिन्होंने साल 2016 में कुल 4 शतक लगाए थे। अब साल 2022 में तीन शतक लगाकर जोस बटलर दूसरे नंबर पर आ गए हैं। आइपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले टाप 6 बल्लेबाज- 4 - विराट कोहली (2016) 3 - जोस बटलर (2022)ङ 2 - क्रिस गेल (2011) 2 - हाशिम अमला (2017) 2- शिखर धवन (2020) 2 - शेन वाटसन (2018)जोस बटलर ने आइपीएल में अब तक कुल 4 शतक लगाए हैं और चारों ही उन्होंने राजस्थान के लिए ही लगाए हैं। बटलर राजस्थान की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं आइपीएल में किसी एक टीम की तरफ से सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में बटलर कोहली और क्रिस गेल से पीछे हैं।

राजस्थान के खिलाफ मैच में ठहाईवोल्टेज ड्रामाठ, बीच मैच में अपने बल्लेबाजों को बुलाने लगे रिषभ पंत

नई दिल्ली। दिल्ली और राजस्थान के बीच हुए मैच में राजस्थान ने 15 रनों से दिल्ली की टीम को हरा दिया लेकिन इस मैच के आखिरी ओवर के दौरान जिस तरह के दृश्य सामने आए उसे क्रिकेट की लिहाज से सही नहीं माना जा सकता है। दरअसल दिल्ली

को आखिरी ओवर में 36 रनों की दरकार थी और रोवमैन पावेल बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने ओबेड मेकाय की शुरुआती तीन गेंदों पर तीन छक्के लगाए। तीसरी गेंद कमर से ऊपर की थी और अंपायर द्वारा नो बाल न देने से डगआउट में बैठे दिल्ली के कप्तान रिषभ पंत पूरी तरह से भड़क गए।उन्होंने अपने खिलाड़ियों को मैच छोड़कर आने का इशारा भी कर दिया। इतना ही नहीं सपोर्टिंग स्टाफ प्रवीन आमरे बीच मैदान पर अंपायर के पास गए और इसको लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। पंत किसी भी सूरत में मानने को तैयार नहीं थे। नो बाल को लेकर केवल पंत ही सवाल नहीं खड़े कर रहे थे बल्कि उनके साथ शार्दूल ठाकुर, खलील अहमद भी डगआउट से नो बाल का इशारा कर रहे थे। इस दौरान राजस्थान के बल्लेबाज जोस बटलर और पंत के बीच नोंक-झोंक हुई लेकिन परिणाम नहीं निकला कुछ देर बाद सहयक कोच शेन वाटसन उठकर आए और पंत को समझाने की कोशिश की लेकिन पंत लगातार अपने बल्लेबाजों को वापस बुलाने में लगे थे काफी बीच-बचाव के बाद मैच फिर से शुरू हुआ और बाकी तीन गेंदों पर दिल्ली की टीम केवल 2 रन बना पाई और मुकाबला 15 रनों से हार गई। आपको बता दें कि इस मैच में दिल्ली की टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग मौजूद नहीं थे। मैच के बाद दिल्ली के कप्तान ने अंपायर के फैसले को लेकर अपनी नारजगी जताई और कहा कि ठउस स्थिति में तीसरे अंपायर को मध्यस्था करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि ये वो चीजें हैं जो उनके हाथ में नहीं थी उम्मीद है कि आगे अच्छी अंपायरिंग देखने को मिलेगी।

हार्दिक पांड्या के सामने होंगे श्रेयस अय्यर, जानें कब और कहां देख सकते हैं ये मैच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 35वें मैच में कोलकाता का सामना शानदार लय में चल रही गुजरात से होगा। पिछले मैच की बात करें तो

डेविड मिलर की शानदार 94 रनों की पारी के दम पर टीम ने रोमांचक जीत दर्ज की थी। हार्दिक पांड्या बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में कमाल कर रहे हैं। लाकी फर्ग्यूसन और मोहम्मद शमी भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। टीम में राशिद खान के रूप में बेहतरीन स्पिनर मौजूद है जो कभी भी मैच का परिणाम प्रभावित कर सकता है। दूसरी तरफ कोलकाता की टीम लगातार तीन मैच हार चुकी है और इस मैच में वे अपनी गलतियों को सुधार करने की कोशिश करेंगे। पिछले मैच में आखिरी ओवर में मुकाबला न जीत पाने के गम से बाहर निकलते हुए कोलकाता की टीम मजबूती से यहां वापसी करना चाहेंगी। राजस्थान के खिलाफ पिछली हार के बाद कोच ने भी माना था कि कुछ मुर्खतापूर्ण गलतियों के कारण टीम की हार हुई थी। श्रेयस अय्यर एक बार फिर से अच्छी बल्लेबाजी कर रहे है। यदि आप भी इस मैच का आनंद लेना चाहते है तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं। कब होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात बीच ये मैच 23 अप्रैल, शनिवार को होगा कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात के बीच ये मैच। कहां खेला जाएगा कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात के बीच ये मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात के बीच ये मैच डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा।

कैसी होगी गुजरात और कोलकाता की संभावित प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली। डीवाई पाटिल स्टेडियम में जब कोलकाता की टीम गुजरात के सामने उतरेगी तो पिछले मैच में की गई गलतियों को भूलना चाहेगी। पिछले मैच में बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोलकाता ने कुछ गलतियां की थी

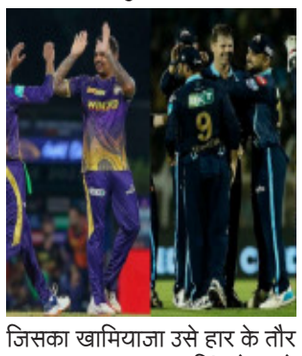

जिसका खामियाजा उसे हार के तौर पर भुगतना पड़ा। एरान फिंच के आने से कोलकाता की बल्लेबाजी में मजबूती आई है। पिछले मैच में उन्होंने 58 रनों की शानादार पारी खेली थी। इस मैच में कोलकाता अपने बल्लेबाजी क्रम में ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहेगी। कप्तान अय्यर के बल्ले से रन निकलना टीम के लिए अच्छी खबर है। पिछले मैच में उन्होंने 85 रनों की पारी खेली थी। कोलकाता की ओपनिंग जोड़ी- पिछले मैच में फिंच के साथ सुनील नरेन को मौका मिला था जो सफल साबित नहीं हुआ इसलिए गुजरात के खिलाफ मैच में टीम अपने नियमित ओपनर वेंकटेश अय्यर और फिंच के साथ उतरेगी। अय्यर पिछले मैच में केवल 6 रन ही बना पाए थे। मध्यक्रम में कोलकाता- श्रेयस अय्यर के बल्ले से रन निकलना बताता है कि टीम का मध्यक्रम मजबूत नजर आ रहा है। उनके अलावा नीतीश राणा और आंद्रे रसेल जैसे बल्लेबाजों का साथ कोलकाता की टीम के पास है। कमिंस ने मुंबई के खिलाफ जिस तरह की पारी खेली थी उसको देखते हुए टीम उन्हें फिनिशर के रोल में देख रही है। गेंदबाजी में कोलकाता- पैट कमिंस और उमेश यादव की जोड़ी कोलकाता के गेंदबाजी क्रम को आक्रमक बनाती है। स्पिन गेंदबाजी के तौर पर टीम के पास वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन के रूप में दो मिस्ट्री स्पिनर मौजूद हैं।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710,
9807278552, 9415608790

जब आत्महत्या करना चाहते थे मनोज बाजपेयी, नाकामियों ने तोड़ दिया था दिल

नई दिल्ली। बॉलीवुड में अपने अभिनय का सिक्का जमा चुके मनोज बाजपेयी बिहार की शान भी माने जाते हैं। 6 भाई बहनों में से एक ये दिग्गज एक्टर आज अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। पश्चिमी चंपारण (बेतिया) के एक छोटे से गांव के मामूली किसान के घर जन्मे मनोज कड़े संघर्ष की बदौलत आज कामयाबी के शीर्ष पर पहुंचे हैं। हमेशा से फिल्मों में एक्टिंग करने के सपने के साथ बिहार से एनएसडी पहुंचे मनोज के लिए ये सफर इतना आसान नहीं था। मनोज बाजपेयी का नामकरण हिंदी फिल्मों के मशहूर अभिनेता मनोज कुमार के नाम पर हुआ था। पिता ने जब पंडित जी से बच्चे कि कुंडली दिखाई तो ग्रहों की स्थिति को देखते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि ये बच्चा या तो नेता बनेगा या अभिनेता। जिस भी दिशा में जाएगा परिवार का नाम रोशन करेगा। हुआ भी कुछ ऐसा ही मनोज को बचपन से ही उन्हें फिल्मों में काम करने का शौक था। अमिताभ बच्चन की ब्लॉक बस्टर फिल्म 'जंजीर' को देखने के बाद उन्होंने फैसला कर लिया कि वे अभिनेता ही बनेंगे। मनोज की शुरुआती पढ़ाई उनके पैतृक गाँव पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज के

नजदीक बेलवा बहुअरी में हुई थी। यहां वे जिस स्कूल में पढ़ने जाते थे, वह झोपड़ी वाला था। बाद में उनकी पढ़ाई जिला मुख्यालय बेतिया के एक स्कूल से हुई। कॉलेज की पढ़ाई के लिए वे दिल्ली चले आए। पहली बार वे बिना टिकट रेल से दिल्ली आए थे। मनोज ने दिल्ली आने के बाद प्रतिष्ठित नेशनल ड्रामा स्कूल में दाखिले के लिए कोशिशें शुरू की। ऐसी कोशिशों में वे तीन बार फेल हुए। मनोज बाजपेयी के पास एनएसडी में दाखिले के अलावा कोई दूसरा प्लान नहीं था। ऐसे में तीन बार रिजेक्ट होना उनका दिल तोड़ गया। हाल ही में रिलीज हुई राइटर पीयूष पांडे की उनकी बायोग्राफी में जिक्र है कि तब उनके मन में आत्महत्या का ख्याल आया था। उन्हें लगने लगा कि अब जीवन में कुछ बचा ही नहीं है, इस जिंदगी को खत्म कर लेना ही एकमात्र रास्ता है। रील लाइफ में मनोज बाजपेयी की एंट्री 'दूरदर्शन' पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक 'स्वाभिमान' के साथ हुई। बड़े पर्दे पर उन्हें पहला मौका दस्यु सुंदरी फूलन देवी के जीवन पर बनी फिल्म 'बैंडिट क्वीन' में मिला। इस फिल्म में उन्होंने फूलन के सहयोगी डाकू का रोल किया। इसके बाद ये सिलासिला यहीं नहीं थमा। नेशन्ल अवॉर्ड के साथ-साथ उन्हें साल 2019 पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया।

'देवों के देव महादेव' की 'पार्वती' ने कैमरे के सामने पहनी ट्रांसपेरेंट साड़ी, ऐक्ट्रेस का रूप देख हैरान रह गए फैंस

नई दिल्ली। टीवी के फेमस धार्मिक शो 'देवों के देव महादेव' का हर किरदार घर-घर में काफी पॉपुलर है। बात चाहे मोहित रैना की हो, मौनी रॉय या फिर पार्वती के रोल से दर्शकों का दिल जीतने वाली पूजा बनर्जी की। इसी शो से पूजा को पहचान मिली

और सोशल मीडिया पर उनकी इमेज एक संस्कारी एक्ट्रेस की बन गई। पर पूजा असल जिंदगी में काफी बोल्ड हैं, एक्टिंग के साथ पूजा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। इसी बीच एक बार फिर से पूजा ने साड़ी में अपनी हॉट तस्वीरों और वीडियो से इंटरनेट पर गदर मचा दिया है। यहां देखें तस्वीरें छोटे पर्दे की 'पार्वती' यानी पूजा बनर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियो शेयर की हैं। इनमें फिर से एक्ट्रेस का बोल्ड लुक फैंस को हैरान कर रहा है। वीडियो में आप देख सकते है कि पूजा फैंस के सामने नेट की साड़ी पहनते हुए दिखाई दे रही हैं। साड़ी की प्लीट्स बनाती हैं, पल्लू संभालते हुए पूजा काफी हसीन नजर आ रहे हैं। फैंस उनकी अदाओं पर अपना दिल हार रहे हैं। इस वीडियो के कैप्शन में पूजा ने लिखा 'अबाउट लास्ट नाइट वहीं अगर एक्ट्रेस के लुक की बात करें तो उन्होंने अपने बालों को ओपन रखने के साथ ही सटल मेकअप किया है।

अजय देवगन और अमिताभ बच्चन के बीच हुई तीखी नोकझोंक, देखें वीडियो

नई दिल्ली। अजय देवगन, अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह अभिनीत

फिल्म रनवे34 इस महीने के अंत में रिलीज होने वाली है। रनवे 34 की रिलीज डेट के पास आते ही फिल्म की पूरी टीम काफी जोर-शोर से मूवी का प्रमोशन में जुटी हुई है। इसी बीच फिल्म निर्माताओं ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो जांच अधिकारी के रूप में अभिताभ बच्चन पायलट विक्रांत खनन से तीखे सवाल कर रहे हैं। इस टीजर वीडियो को अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि, जांच अधिकारी के रूप में अमिताभ बच्चन पायलट से कहते हैं, आपके शब्द आपके एक्शन से नहीं मिल रहे हैं और आपके एक्शन आपके शब्दों से नहीं मिल रहे है। आपक खुद की बातों में उलझे हुए नजर आ रहे है। जांच अधिकारी के इन सवालों का जबाव देते हुए अजय देवगन करते है, पायलट रूल बनाता नहीं है, उन्हें बस फॉलो करता है। टर्न और ट्विस्ट से भरपूर इस फिल्म में अभिनेता अजय देवगन पायलट विक्रांत खनन के किरदार ने नजर आ रहे है। विक्रांत खनन एक फ्लाइट से टेक-ऑफ करने के बाद खराब मौसम के चलते दुर्घटना का शिकार हो जाती है। हालातों को संभालने के लिए अभिनेता द्वारा लिए गए एक्शन के खिलाफ एक कमेटी का गठन किया जाता है, जिसका नेतृत्व अमिताभ बच्चन रहे हैं। अजय देवगन के डायरेक्टोरियल में बनी इस फिल्म की कहानी दोहा से कोच्चि जा रहे विमान में हुई सच्ची घटना से प्रेरित है। फिल्म में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं।

अक्षय कुमार की फिर बढ़ी मुश्किलें तंबाकू विज्ञापन पर माफीनामा के बाद वायरल हुई सिगरेट के एड की तस्वीर

नई दिल्ली। अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों एक कंपनी के लिए कई विज्ञापन को लेकर काफी चर्चा में बना हुए हैं। हाल ही में फैंस द्वारा ट्रोल किए जाने पर उन्होंने एक माफीनामा भी जारी किया था और विज्ञापन से की कमाई को दान करने का एलान किया था। लेकिन ऐसा लग रहा है

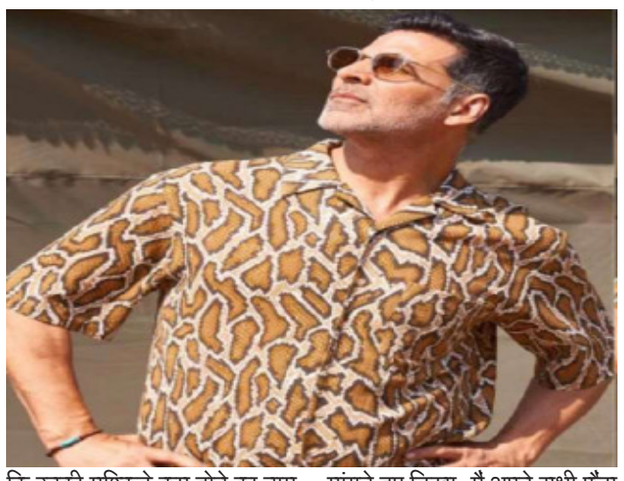

कि उनकी मुश्किले कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इसी बीच उनकी एक पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें वो एक सिगरेट कंपनी का प्रचार करते हुए दिख रहे हैं। इस विज्ञापन तस्वीर में देखा जा सकता है कि अभिनेता अपने हाथ में एक सुलगती हुई सिगरेट और सिगरेट की डिब्बी को पकड़ रखा है। इस विज्ञापन की पुरानी तस्वीर के सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद फैंस कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दरअसल उन्होंने अपने तंबाकू कंपनी के प्रचार के लिए माफी मांगते हुए लिखा, मैं अपने सभी फैंस और चाहने वालों से माफी मांगना चाहता हूं। पिछले कुछ दिनों में आपकी प्रतिक्रिया ने मुझे बहुत ही प्रभावित किया है, जबकि मैंने तंबाकू का समर्थन नहीं किया है और न ही करूंगा। मैं विमल इलायची के साथ अपने जुड़ाव को लेकर आपकी इमोशंस का सम्मान करता हूं। साथ ही मैंने फैसला किया है कि विज्ञापन के लिए ली फीस को दान करूंगा। वहीं, उन्होंने पोस्ट में आगे कहा, विमल इलायची के साथ मेरे बॉन्ड की कानूनी अवधि तक एड का प्रसारण कर सकता है। मैं विश्वास दिलाते हुए कहता हूं कि मैं अपने भविष्य के फैसलों को बहुत ही सोच समझकर लूंगा। आपको बता दें, अक्षय कुमार अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फैंस और चाहने वालों को हल्दी लाइफ स्टाइल के लिए प्रेरित करते रहते हैं। ऐसे में उनकी इस तरह की तस्वीरें वायरल होने से फैंस उनसे खासे नाराज दिख रहे हैं और उन्हें से कई सवाल कर रहे हैं। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्में बात अगर अक्षय कुमार की आने वाली फिल्मों की करें। तो वो इस साल बैक-टू-बैक कई फिल्मों में नजर आने वाले है। जिसमें 'राम सेतु', 'पृथ्वीराज', रक्षा बंधन जैसी बड़ी फिल्में शामिल है। अभिनेता को आखिरी बार हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बच्चन पांडे' में देखा गया है। इस फिल्म में उन्होंने एक खूंखार गैंगस्टर का किरदार निभाया है।

सलमान खान की फिल्म में हुई आयुष शर्मा की एंट्री पढिए पूरी खबर

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान अपनी फिल्मों को लेकर काफी सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों वो अपनी फिल्म कभी ईद कभी दीवाली को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म के जल्द ही फ्लोर पर आने की उम्मीद लगाई जा रही है अब जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में श्रेयस तलपडे. और अरशद वारसी की जगह अभिनेता की जीजू आयुष शर्मा और जहीर इकबाल की एंट्री के कयास लगाए जा रहे हैं। पिछले कई दिनों से फिल्म की शूटिंग को लेकर काफी चर्चाएं हो रही हैं। लेकिन ईटाइम्स ने सूत्रों के हवाले से आयुष शर्मा और जहीर इकबाल की एंट्री हो गई, जबकि सच ये है कि अरशद वारसी और श्रेयस तलपड़े कभी-भी इस फिल्म का हिस्सा नहीं थे। वहीं, फिल्म कभी ईद कभी दीवाली की कास्टिंग को लेकर अभी कोई भी बदलाव नहीं हुआ है। बता दें, सलमान खान ने साल 2019 में में जहीर इकबाल को नोटबुक के साथ लॉन्च किया था और फिल्म की घोषणा के वक्त ही आयुष शर्मा और जहीर के नाम की सिफारिश की थी। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म में सूरज पंचोली के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ पूजा हेगडे मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म में सलमान और पूजा के अलावा साउथ फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता वेंकटेश में अहम भूमिका में नजर आ सकते हैं। हाल ही में सलमान खान की फिल्म कभी ईद कभी दिवाली की रिलीज

को लेकर भी खबरें आई थीं, जिसमें दावा किया गया था कि अगले साल यानी 2023 को ईद को मौके रिलीज होगी। हालांकि फिल्म की रिलीज को लेकर अभी फिल्म निर्माताओं ने कोई भी जानकारी शेयर की है। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो इस साल बैक-टू-बैक कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वो जल्द ही टाइगर फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म टाइगर 3 के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग को शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म में वो रॉ एजेंट के किरदार में नजर आ सकते हैं, जबकि कटरीना आईएसआई एजेंट ज़ोया का किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी। इसके अलावा सलमान खान पठान, बजरंगी भाईजान 2 में भी नजर आने वाले हैं।

यामी गौतम ने शेयर की ज्योति देशवाल की बीटीएस झलक, देखें तस्वीर

नई दिल्ली। अभिषेक बच्चन, यामी गौतम और निमरत कौर अभिनीत फिल्म दसवीं ने अपने किरदारों से खूब चर्चाएं हासिल की है। खास कर अभिषेक बच्चन और यामी गौतम की भूमिका की फैंस ने खूब सराहना की है। इस फिल्म में लोगों के दिल में जगह और ये अभी भी ओटीटी प्लेट फॉर्म पर ट्रेंड लिस्ट में शामिल

है। इसी बीच फिल्म में पुलिस अधिकारी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस यामी गौतम ने एक बीटीएस तस्वीर साझा की है, जिसमें वो एक पुलिस अधिकारी की भूमिका के लिए तैयार होती हुई दिख रही हैं। तस्वीर में देखा जा सकता है कि यामी आईबीएस की वर्दी पहने हुए मेकअप करा रही हैं। उनकी इस तस्वीर को एक मेकअप आर्टिस्ट ने क्लिक किया है। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर यामी गौतम ने लिखा, दसवीं के लिए ज्योति देशवाल तैयार हो रही है। फिल्म दसवीं में जूनियर बच्चन के अलावा एक्ट्रेस यामी गौमत एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाई है, तो एक्ट्रेस निमरत कौर ने मुख्यमंत्री की पतने बिमला देवी का किरदार निभाया है, जो अपने पति के जेल जाने के बाद उसकी राजनीतिक विरासत को संभालती है। कॉमेडी ड्रामा इस फिल्म को 7 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। तुषार जलोटा के निर्देशन में बनी इस पॉलिटिकल कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'दसवीं' में अभिषेक बच्चन प्रभावशाली अनपढ़ जाट नेता गंगा राम चौधरी का किरदार निभाया है, जो भ्रष्टाचार के आरोप में न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाता है। जहां वो जेल के नियमों से बचने के लिए फिर से दसवीं की पढ़ाई करते हुए नजर आते हैं। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो उमेश शुक्ला के निर्देशन में बनने वाली फिल्म ओह माय गॉड 2 में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ नजर आने वाली है।

'केजीएफ चैप्टर 2' ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर मचाया कोहराम, साढ़े सात सौ करोड़ रुपए से ज्यादा कमाए

नई दिल्ली। केजीएफ चैप्टर 2 वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर साढ़े सात सौ करोड़ रुपए कमा चुकी हैत् अब इस बात की अटकलें लगाई जा रही है कि फिल्म वीकेंड पर और अच्छा व्यापार करने वाली हैत् केजीएफ चैप्टर 2 फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील ने किया हैत् इस फिल्म में यश की अहम भूमिका हैत् यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब तक साढ़े सात सौ करोड़ रुपए कमा चुकी है और वीकेंड पर

और दमदार कमाई कर सकती हैत केजीएफ चैप्टर 2 ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर पहले 8 दिनों में साढ़े सात सौ करोड़ रुपए का व्यापार कर लिया हैत् फिल्म ने गुरुवार को 30 करोड़ रुपए कमाए हैं जोकि कलेक्शन के लिहाज से काफी अच्छा माना जा रहा हैत् यह भी कहा जा रहा है कि शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी रिलीज होने से फिल्म की कमाई पर ब्रेक लग सकता हैत् हालांकि कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म 1000 करोड़ रुपए का आंकड़ा अगले कुछ दिनों में छू लेगी शुक्रवार को फिल्म ट्रेड एनालिस्ट मनुबाला विजयाबालन ने वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर ट्वीट कियात् उन्होंने जानकारी देते हुए बताया, 'केजीएफ चैप्टर 2 वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर साढ़े सात सौ करोड़ रुपए कमा चुकी हैत् पहले सप्ताह में फिल्म ने 720.31 करोड़ रुपए कमाए थेत् वहीं दूसरे वीकेंड के पहले दिन फिल्म ने 30.18 करोड़ कमाए हैं जो कि कुल साढ़े सात सौ करोड़ से ज्यादा की कमाई दर्शाता हैत् इसके पहले केजीएफ विश्व स्तर पर आठवीं सबसे बड़ी फिल्म साबित होने जा रही है, यह जल्द टॉप फाइव में शामिल हो जाएगी। वहीं तरण आदर्श ने फिल्म के बारे में जानकारी दी कि हिंदी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपए की कमाई दूसरे वीक में कर सकती है, जबकि पहले 7 दिनों में फिल्म ढाई सौ करोड़ का व्यापार कर चुकी है।

सेक्सुअलिटी को लेकर ट्रोल करने पर करण जौहर ने तोड़ी चुप्पी बोले ये मुझे मार डालेगा'

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता और निर्माता करण जौहर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और उन्हें अक्सर

कई कारणों से ट्रोल किया जाता हैं। करण को कभी उनके खुले विचारों के कारण निशाने पर लिया जाता है तो कभी उनकी सेक्सुअलिटी को लेकर उन पर भद्दे कमेंट किए जाते हैं। जेनिस सिकेरा के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, कुछ कुछ होता है के निर्देशक ने उसी पर खुल कर बात की और ट्रोलर्स को एक खास मैसेज भी दिया। सोशल मीडिया पर अपनी प्रेजेंस कम करने और केवल अपनी फिल्मों के प्रचार के लिए इसका इस्तेमाल करने के बारे में बात करते हुए,करण जौहर ने कहा, ठआखिरकार, यह एक ऐसा मंच है जिसका उपयोग आप बाहर की दुनिया के साथ कनेक्ट करने के लिए कर रहे हैं और यह मेरा काम है। मैं यहां इस लिए नहीं हूं कि अपने प्रोफेशन से खुद को अलग कर लूं। मैं जो हूं वो एक्सेप्ट करता हूं। जब करण से अत्यधिक सोशल मीडिया ट्रोलिंग के बारे में पूछा गया, तो धर्मा प्रोडक्शंस के प्रमुख ने कहा कि उन्हें अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, उन्होंने बताया कि उन्होंने नकारात्मकता की परवाह करना बंद कर दिया है और प्यार पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। करण जौहर ने कहा, 'अब भी जब मैं कमेंट सेक्शन के माध्यम से स्क्रैन करता हूं तो मैं केवल वहीं देखता हूं जहां हार्ट बने हैं। मेरी सेक्सुअलिटी पर लोग कमेंट करते हैं। वो वही लिखते हैं जो उन्हें लगता है कि मैं ऐसा हूं। आप जानते हैं, मैं मई में 50 वर्ष का हो जाऊंगा और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। मैं कुछ भी कर लूं, कुछ लोगों को नकारात्मक बातें ही करनी हैं। तो ऐसे में मैं क्या कर सकता हूं। ट्रोलर्स को एक संदेश देते हुए, करण ने कहा, 'मुझसे प्यार करो, मुझसे नफरत करो पर मेरे प्रति उदासीन मत बनो, क्योंकि यह कुछ ऐसा है जो मुझे मार सकता है। उदासीनता एक ऐसी चीज है जिसे मैं सहन कर सकता हूं'।

शाहिद कपूर की जर्सी ने की धीमी शुरुआत, ऐसा रहा पहले दिन का रिपोर्ट कार्ड.....

नई दिल्ली। शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी काफी लंबे इंतजार के बाद सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस फिल्म से उम्मीदें को काफी हैं, पर शायद बॉक्स ऑफिस पर पहले से धमाल मचा रही केजीएफ चैप्टर 2 की सुनामी में जर्सी के बह जाने की आशंका सबको थी। और हुआ भी कुछ ऐसा ही। देश में करीब 2100 और विदेश में करीब 600 स्क्रींस पर रिलीज हुई फिल्म 'जर्सी', 60 करोड़ के बजट में बनी फिल्म है। फिल्म के बार-बार टलने से इसकी प्रमोशन कॉस्ट बढ़कर करीब 10 करोड़ तक हो चुकी है। ऐसे में फिल्म की कुल लागत 100 करोड़ के करीब पहुंच गई है। शाहिद कपूर की 'जर्सी' का पहले दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से करीब 7.10 करोड़ का आंका जा रहा है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन फिल्म ने करीब 4.70 करोड़ का नेट बिजनेस किया है। इसके साथ ही विदेश में फिल्म की कमाई करीब 1.20 करोड़ रुपए रही। शाहिद की इस फिल्म के लिए राहत की बात ये है कि इसकी आईएमडीबी रेटिंग रिलीज के दिन तक पहुंच गई। जर्सी के लिए पहले दिन वर्ल्डवाइड 10 करोड़ का आंकड़ा सम्मानजनक माना जा रहा था पर फिल्म ने उससे कुछ कम की ही कमाई की। हालांकि अभी शनिवार और रविवार के कलेक्शन से काफी उम्मीदें हैं, कि वीकेंड पर

शाहिद कपूर की जर्सी जरूर कुछ कमाल करेगी। पर शायद फिल्म के लिए राहें इतनी आसान नहीं हैं। अगले शुक्रवार को टाइगर श्रॉफ की 'हीरोपंती 2' और अजय देवगन की 'रनवे 34' रिलीज हो रही हैं। ऐसे में जर्सी बॉक्स ऑफिस पर कितना कमाल दिखाती है ये देखना दिलचस्प होगा। सोशल मीडिया से लेकर बॉलीवुड तक हर कोई फिल्म में शाहिद की एक्टिंग की काफी तारीफ कर रहा हैं। फिल्म में शाहिद के अलावा मृणाल ठाकुर, पंकज कपूर, रोनित कामरा, गीतिका महेंद्रू, शिशिर शर्मा, रुद्र शीष मजूमदार और रितुराज सिंह अहम भूमिकाओं में हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।